छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 194 ■ अम्बिकापुर, रविवार 26 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

खत्म हो गया छात्रों का आंदोलन, सीजेपी ने की जंतर-मंतर खाली करने की अपील

नई दिल्ली - कॉकरोच जनता पार्टी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद जंतर-मंतर में चल रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन को खत्म करने का ऐलान कर दिया है। सीजेपी के प्रवक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार ने बातचीत में सीजेपी और छात्रों की सभी मांगे स्वीकार कर ली हैं। इसलिए अब छात्रों को जंतर-मंतर से फौरन वापस लौटना चाहिए। शिक्षा मंत्री के धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद केंद्र सरकार के दो प्रतिनिधि यानी केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों सौरव दास और अभिषेक रांका से तीसरे दौर की बातचीत की, जो कि करीब डेढ़ से दो घंटों तक चली।

सीजेपी ने आंदोलन वापस लिया

सीजेपी प्रतिनिधिमंडल और सरकार के बीच बातचीत के बाद कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा, हमारी सभी मांगें मान ली गई हैं। हम प्रदर्शनकारियों से अपील करते हैं कि वे तुरंत प्रभाव से शांतिपूर्ण ढंग से अपना प्रदर्शन वापस ले लें।

सरकार देगी आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवार को मुआवजा

जानकारी के मुताबिक, सरकार के साथ बातचीत के बाद सीजेपी के सौरव दास ने सभी प्रदर्शनकारियों से घर लौटने की अपील की, क्योंकि सरकार ने हमारी मांगें मान ली हैं। वहीं केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने कहा कि सरकार NEET से जुड़ी आत्महत्याओं के पीड़ितों के परिवारों को नियमों के तहत आर्थिक मुआवजा देगी।

कॉकरोच जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रंका ने कहा, हमारी सभी मांगें मान ली गई हैं, इसलिए हम प्रदर्शनकारियों से अपील करते हैं कि वे तुरंत हट जाएं और शांतिपूर्वक घर लौट जाएं। हम आपको अपनी भविष्य की रणनीति या किसी अन्य मुद्दे के बारे में जानकारी देंगे। लेकिन हम प्रदर्शनकारियों से तुरंत हटने का अनुरोध करते हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा, कॉकरोच जनता पार्टी यह घोषणा करती है कि हम अच्छे विश्वास के साथ अपना आंदोलन वापस ले रहे हैं, और यह मानते हुए कि तय की गई शर्तों को तय समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा।

शिक्षा के सुधारों की डिमांड-आशुतोष रांका ने कहा, हमने NEET से प्रभावित परिवारों के लिए 1 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की थी। सरकार इस पर सहमत हो गई है और कहा है कि नियमों और कानूनों के तहत उन परिवारों को सम्मानजनक मुआवजा दिया जाएगा। आशुतोष रांका ने बताया, इसके अलावा, हमने सरकार के सामने पांच सूत्रीय मांग पत्र भी रखा, जिसमें शिक्षा और परीक्षा में बड़े सुधारों की बात कही गई थी। हम उस मांग पत्र को लेकर लगभग चार हफ्ते बाद फिर से सरकार से मिलेंगे ताकि बड़े सुधारों पर मिलकर काम किया जा सके। अगर सरकार इन सभी मांगों को मान लेती है, तो हम अपना आंदोलन भी वापस ले लेंगे।

फिल्टर प्लांट में क्षमता से 40 प्रतिशत कम जलशोधन, 32 की जगह मिले 6 कर्मचारी

नेता प्रतिपक्ष ने कांग्रेस पार्षदों के साथ तकिया-कतकालो प्लांट का किया औचक निरीक्षण

■ **कहा-घोर लापरवाही से बिगड़ी शहर की पेयजल व्यवस्था**

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर निगम क्षेत्र में पिछले कई दिनों से पेयजल संकट गहराने, आधे घंटे की जगह 5-10 मिनट ही पानी मिलने और कई वार्डों में गंदा पानी सप्लाई होने की शिकायतों के बाद कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षदों के दल ने शुक्रवार को शहर को पेयजल उपलब्ध कराने वाले तकिया एवं कतकालो फिल्टर प्लांट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में जलापूर्ति व्यवस्था की जमीनी हकीकत सामने आने के बाद कांग्रेस ने नगर निगम प्रशासन और सत्ता पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

कांग्रेस नेताओं ने बताया कि प्लांट का एक अहम मड पंप लंबे समय से खराब पड़ा है। फिल्टर बेड की कई महीनों से सफाई नहीं हुई है, जिसके कारण वहां काई और घास जम गई है। जलापूर्ति विशेषज्ञों के अनुसार इससे जल शोधन क्षमता पर सीधा असर पड़ता है और सप्लाई होने वाले पानी की गुणवत्ता भी बिगड़ती है। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि अनुबंध के अनुसार दोनों प्लांटों में तीन शिफ्टों में कुल 32 कर्मचारियों की तैनाती होनी चाहिए, लेकिन मौके पर तकिया और कतकालो दोनों प्लांट मिलाकर सिर्फ 6 कर्मचारी ही कार्यरत मिले। जल शोधन के लिए जरूरी एलम (फिटकरी) का भी पर्याप्त स्टॉक नहीं था। नियमानुसार तीन महीने का स्टॉक होना चाहिए, जबकि मौके पर केवल 3 से 4 दिन का स्टॉक ही मिला। बरसात में नदी का पानी अधिक मटमैला होने से एलम की खपत बढ़ जाती है। कांग्रेस ने आशंका जताई कि एलम की कमी के कारण ही कई बार गंदा पानी सप्लाई हो रहा है।

क्षमता से आधा भी नहीं हो रहा उत्पादन

निरीक्षण के दौरान लॉग बुक और मौके की स्थिति देखने पर पता चला कि समस्या सिर्फ बिजली कटौती नहीं है। तकिया फिल्टर प्लांट की स्थापित क्षमता 17.5 एमएलडी है, लेकिन यहां से रोजाना मात्र 10 से 11 एमएलडी पानी ही शोधित करके सप्लाई किया जा रहा है। इसी तरह कतकालो प्लांट की क्षमता 18 एमएलडी होने के बावजूद यहां से केवल 12 से 13 एमएलडी पानी ही मिल रहा है। इस तरह दोनों प्लांट अपनी क्षमता से लगभग 40 प्रतिशत कम उत्पादन किया जा रहा है।

क्लैरिफ्लोकुलेटर और स्पेयर पार्ट्स की किल्लत

विशेषज्ञों ने बताया कि पानी की आपूर्ति कम होने का एक बड़ा कारण क्लैरिफ्लोकुलेटर का बंद होना भी है। कुल 6 क्लैरिफ्लोकुलेटर में से तकिया प्लांट के दोनों और कतकालो का एक यूनिट लंबे समय से बंद है। इस तरह 50 प्रतिशत यूनिट ही नहीं चल रहा है। इसके अलावा कतकालो प्लांट में कोई उपकरण खराब होने पर उसके पुर्जे पुणे या मुंबई से मंगाने पड़ते हैं, जिससे मरम्मत में हफ्तों लग जाते हैं। छोटे-छोटे आवश्यक स्पेयर पार्ट्स का भी स्थानीय स्तर पर कोई भंडारण नहीं है। बिजली गुल होने पर उपलब्ध जनरेटर का भी उपयोग नहीं किया जा रहा है।

सत्ता पक्ष की उदासीनता से पेयजल व्यवस्था बदहाल

नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने कहा कि नगर निगम प्रशासन और सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधि लगातार बिजली कटौती को जल संकट का कारण बता रहे थे, लेकिन निरीक्षण से स्पष्ट हो गया है कि असली कारण रख-रखाव में लापरवाही, स्टाफ की कमी और संसाधनों का अभाव है। उन्होंने कहा 'सत्ता पक्ष की उदासीनता के कारण शहर की पेयजल व्यवस्था बदहाल हो गई है। क्षमता के अनुरूप जल शोधन नहीं होने से हजारों नागरिक परेशान हैं। गंदा पानी मिलने से लोगों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। यह पूरी स्थिति प्रशासनिक विफलता और मिलीभगत को दर्शाती है। समय रहते सुधार किए होते तो शहरवासियों को यह संकट नहीं झेलना पड़ता।'

कलेक्टर से करेंगे शिकायत-कांग्रेस पार्षदों का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को कलेक्टर से मुलाकात करके निरीक्षण की पूरी रिपोर्ट सौंपेगा। प्रतिनिधिमंडल दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई, फिल्टर प्लांट की व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार और शहर में नियमित एवं स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग करेगा। निरीक्षण दल में पार्षद पपिंदर सिंह, हसन खान, जे. कुजूर, निमन राशि एक्का, शुभम जायसवाल, मो. बाबर, कलीम खान, मेघा खांडेकर, मो. अख्तर चम्मा, मिला तिर्की, लुकस एक्का सहित सभी कांग्रेस पार्षद उपस्थित थे।

राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के शूटिंग खिलाड़ियों ने कलेक्टर से की भेंट

राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में 12 पदक जीतने पर खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले के राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के शूटिंग खिलाड़ियों ने शनिवार को कलेक्टर अजीत वसंत से सौजन्य भेंट कर हाल ही में आयोजित 25वीं छत्तीसगढ़ प्रदेश राज्यस्तरीय शूटिंग चैंपियनशिप में जिले के खिलाड़ियों द्वारा अर्जित उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर कलेक्टर ने खिलाड़ियों को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले को 12 पदक दिलाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और मेहनत के बल पर सरगुजा जिले का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित किया है तथा आगामी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करें।

इस दौरान खिलाड़ियों ने जिले में शूटिंग खेल को बढ़ावा देने तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आधुनिक शूटिंग रेंज की स्थापना की मांग भी कलेक्टर के समक्ष रखी। इस अवसर पर शकील फिरदौसी, आसिफ अली, इरफान सिद्दीकी, जैनुल हसन फिरदौसी, अली हसन सिद्दीकी, अदीब सिद्दीकी, बंटी मंडल, शाहजाद खान, विशेष श्रीवास्तव, निशांत सिंह देव, अरुण खाखा, आलोक सिंह, अलकान फिरदौसी, शिबान फिरदौसी तथा अधिवक्ता संजय अम्बष्ट उपस्थित रहे।

अदीब, आलोक एवं जावेद की टीम ने जीता स्वर्ण पदक

नेशनल राइफल एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित 25वीं छत्तीसगढ़ प्रदेश राज्यस्तरीय शूटिंग चैंपियनशिप में सरगुजा जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले को कुल 12 पदक दिलाए, जिनमें स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक शामिल हैं। प्रतियोगिता के राइफल इवेंट की ओपन साइट 50 मीटर राइफल प्रोन सीनियर पुरुष वर्ग में अदीब सिद्दीकी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता। इसी वर्ग की टीम स्पर्धा में अदीब सिद्दीकी, आलोक कुमार सिंह एवं जावेद खान की टीम ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं बंटी मंडल, निशांत सिंह देव एवं अभिरथ सिंह देव की टीम ने कांस्य पदक अर्जित किया।

पिस्टल स्पर्धा में भी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

पीप साइट 50 मीटर राइफल प्रोन यूथ पुरुष वर्ग में अलकान फिरदौसी ने स्वर्ण पदक जीता। वहीं ओपन साइट 50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर पुरुष वर्ग में अभिरथ सिंह देव ने रजत तथा अनफ राजा खान ने कांस्य पदक हासिल किया। पिस्टल स्पर्धा में भी सरगुजा के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रख्यात शूटर एवं कोच सकील फिरदौसी ने 50 मीटर पिस्टल इंडिविजुअल सीनियर पुरुष वर्ग तथा 10 मीटर पिस्टल इंडिविजुअल मास्टर पुरुष वर्ग में रजत पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया।

ईस्ट जोन शूटिंग चैंपियनशिप के लिए इनका चयन

राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर आगामी 10वीं ईस्ट जोन शूटिंग चैंपियनशिप एवं जी.वी. मावलंकर शूटिंग चैंपियनशिप के लिए सरगुजा जिले से अदीब सिद्दीकी, शाहजाद खान, अलकान फिरदौसी, शिबान फिरदौसी, सकील फिरदौसी, मिलिंद राज सिंह, आयुष सिंह, वकील फिरदौसी तथा 10 मीटर पिस्टल जूनियर पुरुष वर्ग के लिए विशेष श्रीवास्तव का चयन किया गया है। वहीं आसिफ अली एवं शकील फिरदौसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए निशाना साधेंगे।

ड्रंक एंड ड्राइव पर पुलिस का शिकंजा, बाइक और कार चालक पर 20 हजार जुर्माना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सरगुजा पुलिस ने ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ सख्त अभियान छेड़ रखा है। इसी कड़ी में यातायात पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले 2 चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें 20 हजार रुपये के अर्थदंड से न्यायालय ने दंडित किया है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देशन में यातायात शाखा की टीम लगातार चेकिंग कर रही है। चेकिंग दौरान पुलिस ने मोटरसाइकिल क्रमांक जेएच 01 डीबी 9302 के चालक बृजकिशोर सिंह यादव 34 वर्ष, निवासी गाजीपुर उत्तर प्रदेश की जांच ब्रेथ एनालाइजर से की, तो वह शराब के नशे में धुत्त मिला। दूसरे मामले में पुलिस ने कार क्रमांक यूपी 61 डी 2493 के चालक विरेंद्र गिरी 19 वर्ष, निवासी नवानगर, थाना दरिमा को शराब के नशे में गाड़ी चलाते पाया। ब्रेथ एनालाइजर में नशे की पुष्टि होने पर दोनों के खिलाफ धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है। न्यायालय ने दोनों को 10-10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। यातायात शाखा प्रभारी उप निरीक्षक विजय कैवर्त ने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने अपील की है, वाहन चलाते समय शराब का सेवन न करें, अपनी और दूसरों की जान जोखिम में न डालें।

के आर टेक्निकल कॉलेज
SINCE 2008
(Regular | Private | Distance)
ADMISSION OPEN 2026-27
मान्यताएँ
संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा से सम्बद्ध
छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त
इग्नू का स्टडी सेंटर
SINCE 2008
COURSES OFFERED
UG COURSES: BCA, BBA, BCOM, BSC BIO, BSC MATHS, BSC CS, BA
PG COURSES: MSC CS, MSC IT, MSC BOTANY, MSC ZOOLOGY, MSC CHEMISTRY, MSC MATHS, MSC PHYSICS, MCOM, MSW, MA HINDI
PROFESSIONAL COURSES: DCA, PGDCA, PGDBM, PGDRD, BLIB
SCHOLARSHIP FACILITIES
विद्यासागर छात्रवृत्ति (सभी वर्गों के विद्यार्थियों के लिए)
पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (SC, ST एवं OBC विद्यार्थियों हेतु)
सीमित कोर्स में फ्री कोचिंग सुविधा उपलब्ध
COLLEGE CAMPUS: अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन के पास, काली घाट मंदिर के आगे, संजय नगर, छत्तीसगढ़
9926513170, 9826612781
CITY OFFICE: कृष्ण आभा भवन, रिंग रोड, नमना कला, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़
9826183771

सलाखों से मिली आजादी के महज 2 घंटे बाद 'मौत' मेहरबान हुई

जेल से रिहाई की खबर मिलने पर पहुंची 'बेटी' पिता का शव लेकर लौटी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सलाखों से आजाद हुए एक कैदी की जिंदगी महज 2 घंटे की मेहमान निकली। हत्या के मामले में सजा काटकर जिस शख्स को शेष समय घर-परिवार के बीच बिताना था, वह एक दिन पहले बीमार हालत में अस्पताल पहुंच गया। इधर हत्या के मामले में सजा की अवधि शुक्रवार, 24 जुलाई को दोपहर 12.30 बजे पूरी हो गई। परिवार के सदस्यों को जब इसकी खबर मिली तो लाड़ली बेटी अपने पिता को लेने के लिए पहुंची, लेकिन किस्मत ने ऐसा खेल खेला कि पिता को लेने आई बेटी को दो घंटे के अंतराल में मौत की खबर ने रूला दिया, और वह पिता के शव से लिपटकर वापस घर लौटी।

जानकारी के मुताबिक, मृतक श्यामजतन साय पिता स्व. सोनसाय चेरवा 66 वर्ष, अंबिकापुर के गांधीनगर थाना अंतर्गत ग्राम खलीबा, हरिजनपारा का रहने वाला था। पुलिस ने उसे पत्नी की हत्या के मामले में गिरफ्तार करके जेल भेजा था। न्यायालय ने अभियुक्त को 7 साल की सजा सुनाई थी, और वह केंद्रीय जेल अंबिकापुर में सजा काट रहा था। जेल में रहने के दौरान

पेचिस की शिकायत पर उसे जेल प्रशासन ने उपचार के लिये मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर में 23 जुलाई को भर्ती कराया, यहां जेल वार्ड में उसका उपचार चल रहा था। अगले दिन शुक्रवार, 24 जुलाई को सजा अवधि 12.30 बजे पूरी हो रही थी, और जेल प्रशासन को उसे रिहा कर देना था। इसकी सूचना जेल प्रबंधन ने श्यामजतन के घर वालों को दी थी। शुक्रवार को उसकी बेटी सानिया अपने पिता को लेने के लिए केंद्रीय जेल दोपहर करीब 12 बजे पहुंच गई थी, यहां आने पर उसे पता चला कि रिहाई में आधे घंटे शेष हैं, और उसके पिता को पेचिस होने की स्थिति में अस्पताल के जेल वार्ड में भर्ती कराया गया है। पिता से मिलने के लिए लालायित सानिया अस्पताल पहुंची, तो यहां उसके पिता भर्ती थे और उनका उपचार चल रहा था। यहां उनकी देखरेख के लिए प्रहरी भी मौजूद थे।

मौत की खबर मिलने से मचा कोहराम

दोपहर 12.30 बजते ही सानिया को जेल के कर्मचारियों ने बताया कि, उसके पिता की सजा अवधि पूरी हो चुकी है, और उन्हें रिहा कर दिया गया है, इसलिए इलाज के बाद वह उन्हें घर ले जा सकती है। पिता के इलाज की जिम्मेदारी बेटी और स्वजन को सौंपकर प्रहरी चले गए। इलाज चल ही रहा था, दोपहर करीब 2.30 बजे चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया, और कोहराम की स्थिति बन गई। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है। मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा। प्रथम दृष्टया तबीयत बिगड़ने से मौत की संभावना को बल मिल रहा है।

पापा को लेने आई थी, शव लेकर जा रही हूं

अस्पताल के मर्च्युरी में पिता के शव को निहार रही सानिया के मुंह से निकला, पापा को लेने आई थी, शव लेकर जा रही हूं, तो वहां मौजूद हर आंख नम हो गई। कहा-पिता की रिहा होकर घर आने का वे इंतजार कर रहे थे, अब अर्थी उठानी पड़ेगी। यह घटना जिंदगी के नाजुक पल की गवाही दे रही है कि है। एक पल की खुशी, कब गम में बदल जाएगी, कहना नामुमकिन है।

> सात साल की सजा समाप्ति के बाद श्यामजतन साय की रिहाई 24 जुलाई को दोपहर 12.30 बजे हो गई थी। बीमार रहने के कारण उसे 23 जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रिहाई का समय पूरा होने के बाद उसे स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया था।
>
> **अक्षय सिंह राजपूत**
> **अधीक्षक, केंद्रीय जेल अंबिकापुर**

खेत में पलटा ट्रैक्टर, चालक की मौके पर मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला के कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टिकरापारा में शुक्रवार को खेत की जुताई के दौरान हुए हादसे में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सुरेन्द्र तिग्गा 26 वर्ष खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर संतुलन बिगड़ने से अचानक पलट गया और सुरेन्द्र उसके नीचे दब गया। हादसा इतना भयावह था कि उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही कमलेश्वरपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद ट्रैक्टर के नीचे दबे शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। हादसे के बाद टिकरापारा गांव में शोक का माहौल है। परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बता दें कि, खोती-किसानी के मौसम में खेतों की जुताई के दौरान ट्रैक्टर के पलटने की घटनाएं जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से लगातार आ रही हैं। ऐसे में ग्रामीणों और किसानों को खेतों में काम करते समय सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। इन्हें विशेषकर असमतल जमीन या खेत में ट्रैक्टर चलाते समय विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026
ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

ग्राम उधवा कठरा राजस्व सर्वेक्षण उपरांत अतिक्रामकों की सूची का प्रारंभिक प्रकाशन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, नवा रायपुर की अधिसूचना के तहत छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 67 की उपधारा (1)का प्रयोग करते हुए कलेक्टर के द्वारा तहसील राजपुर में वन ग्राम/असर्वेक्षित ग्राम राजस्व सर्वेक्षण का कार्य प्रारंभ किया गया था जिसके तहत तहसील राजपुर अंतर्गत असर्वेक्षित वन ग्राम उधवाकठरा (पटवारी हल्का क्रमांक-15), राजस्व निरीक्षक मंडल पसागुड़ी में राजस्व सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

राजस्व विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार सर्वेक्षण कार्य पूर्ण होने के बाद ग्राम की सीमा सत्यापन, स्थल निरीक्षण, सर्वे नंबर का सत्यापन कर अतिक्रामकों की सूची तैयार की गई है। ग्राम में कुल खसरा नंबर 234, कुल रकबा 141.105 हेक्टेयर है। जिसमें कुल अतिक्रामक 88 कुल रकबा 100.143 हेक्टेयर है।

राजस्व विभाग ने बताया कि अतिक्रामकों की प्रारंभिक सूची कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल परसागुड़ी, तहसील राजपुर में अवलोकन के लिए उपलब्ध है जिसका अवलोकन किया जा सकता है।

यदि किसी को सूची के संबंध में कोई दावा अथवा आपत्ति हो, तो वह अपना लिखित आवेदन 07 अगस्त 2026 तक कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल परसागुड़ी, तहसील राजपुर में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा अथवा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

पीएमश्री सजेस जयनगर में बैग लेश डे पर विविध कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शनिवार को पीएमश्री स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जयनगर में प्राचार्या पुष्पा राय के मार्गदर्शन में बैगलेस डे के अवसर पर न्योता भोज तथा पोषण वाटिका निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत आयोजित न्योता भोज कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अतिरिक्त पूरक पोषण आहार प्रदान कर सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ बनाया गया। साथ ही विद्यार्थियों को ताजी एवं हरी सब्जियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यूथ एवं इको क्लब के प्रभारियों तथा छात्रों के सहयोग से सुरक्षा मानकों का ध्यान रखते हुए मौसमी व बेलदार सब्जियों के बीज रोपकर पोषण वाटिका का निर्माण कराया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष देवधन राम बिंझिया, मंडल अध्यक्ष शिवनंदनपुर हरीश राजवाड़े, सरपंच राधा बाई, सांसद प्रतिनिधि देवशरण सिंह, जाहिद अली, जीरो बाई विशेष रूप से उपस्थित रहे।एक दिवसीय विशेष अभियान का निरीक्षण सुरजपुर बीईओ हरेंद्र कुमार सिंह एवं जयनगर संकुल समन्वयक संजय मिश्रा द्वारा किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निर्देशों के अनुरूप विद्यालय में बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए बैगलेस डे का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य नन्हे-मुन्ने बच्चों को किताबी बोझ से मुक्त रखकर उनकी कलात्मक अभिव्यक्ति, रचनात्मक सोच और व्यावहारिक कौशल को उभारना था। बच्चों ने कारगिल दिवस एवं अभिभावक दिवस के थीम पर रंग-बिरंगे स्केच और कागजों का उपयोग कर आकर्षक थैंक यू कार्ड्स और शुभकामना संदेश निर्मित किए। नन्हे बच्चों ने स्वयं की बनाई कलाकृतियों को हाथों में लेकर प्रदर्शित कर उनके पीछे छिपी अपनी भावनाएं व्यक्त की। अतिथियों ने बच्चों के मध्य पहुंच उनके द्वारा बनाई गई कलाकृतियों का अवलोकन किया। अतिथियों ने नन्हे बच्चों के हुनर, लगन और कल्पनाशक्ति की प्रशंसा कर उन्हें ऐसे रचनात्मक कार्यों में सदैव आगे रहने हेतु प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व प्राचार्य वीरेंद्र जायसवाल, माध्यमिक शाला की प्रधान पाठिका आरती गुप्ता, प्राथमिक शाला प्रधान पाठिका मोनिका मलिक, अभिभावक हीरामन बरई, रितेश गुप्ता, रविशंकर गुप्ता, प्रीति सोनी, रचना सिंह व विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

बीरपुर में किसानों को मिली फसल सुरक्षा की जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। खरीफ सीजन में किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से सुरक्षित रखने और कृषि सेवाओं को डिजिटल रूप से मजबूत बनाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत बीरपुर के पंचायत भवन में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम एवं एग्री स्टेक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर अपनी फसलों का बीमा कराने और एग्री स्टेक से जुड़ी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की। कार्यक्रम में किसानों को बताया गया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदाओं, अतिवृष्टि, सूखा, ओलावृष्टि तथा अन्य विपरीत परिस्थितियों में फसलों को होने वाले नुकसान की भरपाई का महत्वपूर्ण माध्यम है।

अधिकारियों ने किसानों को समय रहते बीमा कराने की सलाह देते हुए कहा कि अंतिम तिथि का इंतजार न करें, ताकि किसी भी तकनीकी या दस्तावेजी समस्या के कारण योजना के लाभ से वंचित न होना पड़े। शिविर में सरपंच चंद्रभान सिंह, कृषि विस्तार अधिकारी हेमन्त सिंह ओरकरा, उद्यान विस्तार अधिकारी अनुप्रिया बड़ा, हल्का पटवारी मनोज यादव, पंचायत सचिव अरुण साहू, किसान मित्र मुन्ना राजवाड़े तथा सीएससी कर्मचारी पवन बर्मन की मौजूदगी में किसानों का फसल बीमा एवं एग्री स्टेक से संबंधित कार्य संपन्न कराया गया। अधिकारियों ने किसानों को योजना की पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, आवेदन प्रक्रिया और बीमा के लाभों की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही एग्री स्टेक के माध्यम से किसानों के डिजिटल कृषि रिकॉर्ड तैयार करने और भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक पारदर्शी एवं सरल तरीके से उपलब्ध कराने की जानकारी भी साझा की गई।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित किसानों से अपील की गई कि वे निर्धारित अंतिम तिथि से पहले अपनी फसलों का बीमा अवश्य कराएं, ताकि किसी भी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा मिल सके और सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना का पूरा लाभ प्राप्त हो। किसानों ने भी शिविर में मिली जानकारी को उपयोगी बताते हुए समय पर फसल बीमा कराने का संकल्प लिया।

पी.एस.वाय. राष्ट्रीय उत्कृष्टता अवार्ड के लिए 5 अगस्त तक करें आवेदन

★ राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर

★ विद्यार्थियों को मिलेगा राष्ट्रीय मंच और स्कॉलरशिप का अवसर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। पी.एस.वाय. राष्ट्रीय उत्कृष्टता अवार्ड (प्रतिभा सम्मान योजना)-2026 के अंतर्गत कक्षा तीसरी से 12वीं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों की प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय चित्रकला, शोध एवं प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की जाएगी। योजना के अंतर्गत इच्छुक विद्यार्थी 5 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के लिए निर्धारित पोर्टल https://www.psynationalexam.in पर उपलब्ध है। तथा ऑफलाइन आवेदन संबंधित विद्यालय के प्राचार्य के माध्यम से जमा किए जा सकेंगे। योजना के तहत जिला स्तर पर चयनित प्रतिभागी तीन वार्षिक स्कॉलरशिप के लिए पात्र होंगे। प्रथम चरण में चयनित विद्यार्थियों को राज्य स्तरीय परीक्षा में शामिल होने का अवसर मिलेगा। राज्य स्तरीय परीक्षा में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को भोजन, आवास एवं यात्रा-भत्ता भी प्रदान किया जाएगा। योजना से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए योजना समन्वयक (पी.एस.वाय.) मोबाइल नंबर 9584203094 पर संपर्क किया जा सकता है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने जिले के सभी विद्यालयों, प्राचार्यों, शिक्षकों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे विद्यार्थियों को इस योजना में भाग लेने के लिए प्रेरित करें, जिससे जिले के अधिकाधिक प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का अवसर प्राप्त हो सके।

गो सम्मान आह्वान अभियान का दूसरा चरण तैयार, 27 को सूरजपुर में निकलेगी प्रार्थना यात्रा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। देशभर में संचालित गो सम्मान आह्वान अभियान अब अपने दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका है। अभियान के जिला प्रभारी के अनुसार 27 जुलाई को आयोजित होने वाले कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

इस दिन देश के प्रत्येक जिले से संबंधित जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को 15 करोड़ से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षरों से युक्त प्रार्थना-पत्र और ज्ञापन सौंपे जाएंगे। अभियान का उद्देश्य देश में गोमाता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान को लेकर व्यापक जनजागरण करना तथा केंद्र सरकार के समक्ष गो संरक्षण से जुड़ी विभिन्न मांगों को प्रभावी ढंग से रखना है। अभियान के जिला प्रभारी विजय शर्मा ने बताया कि बीते छह महीनों से देशभर में संत-महात्माओं, गोसेवकों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक स्तर पर हस्ताक्षर अभियान और जनसंपर्क कार्यक्रम चलाए गए हैं। अभियान के तहत केंद्र सरकार से गोहत्या निषेध के लिए केंद्रीय कानून, गोमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान, केंद्रीय गो मंत्रालय की स्थापना, गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने, केंद्रीय गो-चारा नीति लागू करने सहित कृषि, चिकित्सा, पर्यावरण, शिक्षा और मानव जीवन से जुड़े गो-केंद्रित विषयों को राष्ट्रीय नीति में शामिल करने जैसी 30 से अधिक प्रमुख मांगें उठाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 27 अप्रैल को अभियान के पहले चरण में देश की लगभग 5 हजार तहसीलों के माध्यम से 5 करोड़ से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षरों वाले प्रार्थना पत्र राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों तक पहुंचाए गए थे। अब तक अपेक्षित निर्णय नहीं होने के कारण दूसरे चरण में पुनः अनुस्मारक ज्ञापन सौंपा जा रहा है। इस बार पूरे देश से 15 करोड़ से अधिक हस्ताक्षर सरकार तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।जिला प्रभारी विजय शर्मा ने 27 जुलाई को सुबह 7.30 बजे तक सभी गोभक्तों को रंगमंच मैदान सूरजपुर पहुंचने का आग्रह किया गया है। सुबह 8 बजे गोमाता के पूजन, शंखनाद और सामूहिक रूप से श्री राम जय राम जय जय राम विजय मंत्र के जप के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा, जो लगभग 9.15 बजे तक चलेगा।

इसके बाद झंडे, बैनर, अभियान संदेशों वाले प्लेकार्ड और भजन-कीर्तन के साथ शांतिपूर्ण एवं अनुशासित प्रार्थना यात्रा कलेक्टर कार्यालय तक निकाली जाएगी। शोभायात्रा में भगवान श्रीकृष्ण-बलराम के स्वरूप के साथ गोमाता और बछड़े की झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगी। साथ ही अभियान के दौरान एकत्र किए गए हस्ताक्षरों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। अभियान की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न संदेशों से झांकियां और प्रदर्शन भी शामिल किए जाएंगे।

दोहरी कमाई के लिए कृषि विभाग ने किसानों को सिखाई नई खेती की तकनीक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। किसानों की आय बढ़ाने और आधुनिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत रविंद्रनगर में कृषि विभाग द्वारा जागरूकता एवं कृषि सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को रियायती दर पर अरहर एवं उड़द का उन्नत बीज तथा स्प्रे टंकी वितरित की गई।

कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती की जानकारी देते हुए दो फसली प्रणाली अपनाने की सलाह दी। किसानों को बताया गया कि यदि गेंदा फूल की खेती के साथ अरहर की फसल लगाई जाए तो एक ही खेत से दो प्रकार की उपज प्राप्त कर आय में बढ़ोतरी की जा सकती है। अधिकारियों ने किसानों को समझाया कि चार लाइन गेंदा फूल लगाने के बाद एक लाइन अरहर की बुवाई करने से भूमि का बेहतर उपयोग होता है, फसल की उत्पादकता बढ़ती है और किसानों को दोहरा आर्थिक लाभ मिलता है। साथ ही अरहर की फसल मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में भी सहायक होती है, जिससे अगली फसल का उत्पादन भी बेहतर होता है।

इस अवसर पर श्रीमती रजनी पैकरा, सांसद प्रतिनिधि कन्हाई लाल विश्वास, वार्ड पंच गंगा विश्वास, सुवेंदु चटर्जी, अमित ठाकुर, गोपाल विश्वास, तारक सरकार, तपन बैरागी, संजू देवनाथ, गोविंद विश्वास सहित अन्य उपस्थित रहे।

महेशपुर में विहिप व बजरंग दल की नई कार्यकारिणी गठित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के लटोरी खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत महेशपुर में संगठन विस्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए विभिन्न पदों पर कार्यकर्ताओं को दायित्व सौंपे गए। कार्यक्रम में खोगेश राजवाड़े को खंड संयोजक तथा हलेश्वर राजवाड़े को खंड सह संयोजक नियुक्त किया गया। वहीं दिनेश राजवाड़े को गौ रक्षा प्रमुख, रितेश राजवाड़े को सुरक्षा प्रमुख, चंद्रशेखर पैकरा को बलोपासना प्रमुख, मानिक चंद्र पैकरा को साप्ताहिक मिलन प्रमुख तथा अनीश पैकरा को विद्यार्थी प्रमुख का दायित्व सौंपा गया। संगठन विस्तार कार्यक्रम में विश्व हिन्दू परिषद के प्रखंड मंत्री सत्येन्द्र भारती, बजरंग दल कोरिया विभाग के विभाग सह संयोजक प्रहलाद निषाद, जिला सह संयोजक गिरजा शंकर कसेर तथा जिला सुरक्षा प्रमुख मुकेश राजवाड़े उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने नवनियुक्त कार्यकर्ताओं को संगठन की रीति-नीति से अवगत कराते हुए समाज सेवा, गौ रक्षा, धार्मिक एवं सामाजिक जागरूकता के कार्यों को सक्रियता से आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

उत्कर्ष योजना अंतर्गत 6वीं में प्रवेश हेतु काउंसलिंग निरस्त

काउंसलिंग संबंधी नई सूचना पृथक से होगी जारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग अधिकारी ने जानकारी दी है कि मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए 14 जुलाई 2026 को जिला स्तर पर आयोजित काउंसलिंग को निरस्त कर दिया गया है।

उक्त संबंध में जिले से काउंसिलिंग के लिए चयनित सभी विद्यार्थियों एवं उनके पालकों को सूचित किया जाता है कि शासन से दिशा-निर्देश प्राप्त होने के बाद काउंसलिंग की नई तिथि एवं प्रक्रिया की सूचना पृथक से जारी की जाएगी।

संत गुरु रविदास के समरसता संदेश को जन-जन तक पहुंचाएगी भाजपा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650 वीं जयंती के अवसर पर देशभर में चलाए जाने वाले समरस संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय रायपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में सूरजपुर जिले के प्रतिनिधिमंडल ने भी भागीदारी निभाई। कार्यशाला में सामाजिक समरसता, समानता और सेवा के संदेश को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया गया।

कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि संत गुरु रविदास का जीवन सामाजिक समरसता, मानवता और समान अवसरों की प्रेरणा देता है। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और भेदभाव मिटाने की दिशा में मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने संत गुरु रविदास के जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका संदेश केवल एक समाज तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र को समानता, भाईचारे और सामाजिक न्याय का मार्ग दिखाता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज के सभी वर्गों को जोड़ते हुए अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने की अपील की। इस अवसर पर प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सनम जांगड़े सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी वक्ताओं ने संत गुरु रविदास के विचारों को वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक बताते हुए सामाजिक सद्भाव और समरसता को मजबूत करने पर बल दिया।

कार्यशाला में सूरजपुर जिले का प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुआ, जिसमें भाजपा जिला उपाध्यक्ष देवधन राम बिंझिया, शिवनंदनपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष हरीश राजवाड़े सहित जिले के पदाधिकारियों ने भाग लिया। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश नेतृत्व से अभियान की रूपरेखा एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की और जिले में इसे प्रभावी ढंग से संचालित करने का संकल्प लिया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि संत गुरु रविदास महाराज की 650 वीं जयंती के अवसर पर विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से उनके समरसता, समानता, सामाजिक सद्भाव और सेवा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। अभियान के जरिए समाज के सभी वर्गों को जोड़कर सामाजिक एकता और राष्ट्र निर्माण की भावना को और अधिक सशक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा।

बैगलेस डे विद्यालय में न्यौता भोज एवं पोषण वाटिका निर्माण का आयोजन

समाज के सहयोग से बच्चों को मिला अतिरिक्त पोषण आहार, एक पेड़ माँ के नाम के तहत हुआ पौधारोपण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर-कलेक्टर रीना जमील के निर्देशन, जिला शिक्षा अधिकारी लता बेक, जिला मिशन समन्वयक मनोज साहू तथा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में शनिवार को जिले के सभी विद्यालयों में बैगलेस डे के अवसर पर न्यौता भोज, अतिरिक्त पूरक पोषण आहार वितरण एवं पोषण वाटिका (किचन गार्डन) निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय पतरापाली में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं समाजसेवियों की सहभागिता से उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ईको क्लब प्रभारी शिक्षक योगेश कुमार साहू ने स्थानीय नागरिकों एवं समाजसेवियों से संपर्क कर बच्चों के लिए न्यौता भोज का आयोजन कराया। समाज के सहयोग से विद्यार्थियों को अतिरिक्त पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर अभिषेक उपाध्याय की ओर से आलू गुंडा, शिवेन्द्र पांडेय की ओर से गुलाब जामुन, संदीप तिवारी की ओर से आलू चाप तथा शिक्षक रघुनाथ जायसवाल की ओर से केले वितरित किए गए। स्वादिष्ट एवं पौष्टिक खाद्य सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और पूरे विद्यालय में उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया। पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संदीप तिवारी ने चार ट्री-गार्ड तथा शिवेन्द्र पांडेय ने एक ट्री-गार्ड उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संदीप तिवारी ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के महत्व तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाए रखने की आवश्यकता पर प्रेरक जानकारी दी और प्रत्येक विद्यार्थी से कम से कम एक पौधा लगाने एवं उसकी देखभाल करने का आह्वान किया। इसके पश्चात विद्यालय की पोषण वाटिका (किचन गार्डन) का निर्माण एवं विस्तार किया गया। में ईको क्लब प्रभारी योगेश कुमार साहू के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा पोषण वाटिका की नियमित देखभाल की गई। बच्चों ने लगाए गए सब्जियों के पौधों की कोड़ाई-गुड़ाई की तथा बेल वाली फसलों को बढ़ने के लिए झाकी (सहारा) तैयार किया। सभी ने श्रमदान कर पोषण वाटिका को और व्यवस्थित एवं सुंदर बनाया। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के सहयोग से सेमी, लौकी, बारबट्टी, खीरा, डोडका, तरोई सहित विभिन्न प्रकार की मौसमी सब्जियों का रोपण भी किया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बताया कि विद्यालय में तैयार होने वाली ताजी एवं पौष्टिक सब्जियों का उपयोग मध्यान्ह भोजन में किया जाएगा, जिससे बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध होने के साथ-साथ प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि और आत्मनिर्भरता का व्यावहारिक ज्ञान भी प्राप्त होगा। विद्यालय के प्रधानपाठक के.के. यादव ने कहा कि बैगलेस डे जैसी गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। इससे विद्यार्थियों में सामाजिक सहभागिता, पर्यावरण संरक्षण, श्रम के प्रति सम्मान तथा सामुदायिक सहयोग की भावना विकसित होती है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी समाजसेवियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रधानपाठक के.के. यादव, शिक्षिका अनीता सिंह, शिक्षक योगेश कुमार साहू, रघुनाथ जायसवाल, प्रवीण, अंजलि कंवर, सरिता सिंह, एसएमडीसी सदस्य, अभिभावक एवं विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने विद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाए रखने, पोषण वाटिका की नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया।

इंदिरा गांधी कृषि विवि में गाय आधारित जैविक खेती और 'प्रेम की खेती' पर कार्यशाला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्य कृषक कल्याण परिषद एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में कृषि महाविद्यालय के विवेकानंद सभागारमें एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'गौ-आधारित जैविक कृषि प्रशिक्षण एवं प्रेम की खेती' था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा) सुरेश कुमार चंद्रवंशी और मुख्य वक्ता कृषि वैज्ञानिक एवं जीव-जंतु कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अजीत केलकर थे।

गाय एक अनुसंधान पुस्तक की प्रति की भेंट

कार्यक्रम के दौरान मनोहर गौशाला के ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन ने अतिथियों, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और प्रशासनिक अधिकारियों को गाय एक अनुसंधान पुस्तक भेंट की। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. विवेक त्रिपाठी, सह-अनुसंधान निदेशक डॉ. धनंजय शर्मा, जैविक कृषि विशेषज्ञ डॉ. सुनील अग्रवाल, कृषि वैज्ञानिक मनमंथ शर्मा सहित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक और कृषक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जैविक और सतत कृषि पर बल

मुख्य वक्ता अजीत केलकर ने गौ-आधारित प्राकृतिक खेती, जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, वर्मी कंपोस्ट, पंचगव्य, गौमूत्र अर्क, गोपालन और जैव विविधता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वयं का बीज, स्वयं की खाद, स्वयं की दवाई, स्वयं का अनाज और स्वयं का बाजार का संकल्प ही भारतीय कृषि और किसानों को आत्मनिर्भर बना सकता है।

पीएम मोदी के निर्णायक कदम और वांगचुक के अनशन समाप्ति से विपक्ष का भारत विरोधी एजेंडा' बेनकाब-मुरलीमनोहर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने नीट पेपर लीक मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई ऐतिहासिक एवं कड़े कदमों की घोषणा तथा अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक द्वारा अनशन समाप्त किए जाने के बाद कांग्रेस सहित 'इण्डी गठबंधन' के घटक दलों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इन घटनाक्रमों ने विपक्ष के असली राजनीतिक चरित्र और उनके भारत विरोधी एजेंडे की पूरी तरह पोल खोल दी है। भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए त्वरित और अभूतपूर्व कदम उठाने की घोषणा की है। श्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा न केवल त्वरित सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन के निर्देश दिए हैं, बल्कि दोषियों को 5 से 10 साल की कड़ी सजा, कठोर जमानत शर्तों और दोषी पाए जाने पर संबंधित कोचिंग संस्थानों को बंद करने जैसे कठोर प्रावधानों वाले कानून का मसौदा तैयार करवाया जा रहा है। सरकार की इस त्वरित संवेदनशीलता और पारदर्शी नीयत के बाद केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में सोनम वांगचुक ने भी सरकार के सकारात्मक रुख पर भरोसा जताते हुए अपना अनशन समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि यह पूरी घटना यह दशार्ती है कि मोदी-सरकार देश के छात्रों और युवाओं के हित में चट्टान की तरह खड़ी है। लेकिन दूसरी ओर, कांग्रेस और उनके सहयोगियों का एकमात्र एजेंडा छात्रों के कंधे पर बन्दूक रखकर अपनी राजनीतिक रोटियाँ सेंकना और देश में असंतोष की आग भड़काना था। श्री सोनी ने कहा कि विपक्ष को कभी भी छात्रों के भविष्य या न्याय से कोई लेना-देना नहीं था। वे केवल देश में अराजकता का माहौल बनाना चाहते थे। जब सरकार ने समस्या के जड़ से समाधान के लिए कड़ा कानून बनाने की दिशा में काम किया, तो इण्डी गठबंधन का चेहरा पूरी तरह बेनकाब हो गया। उन्होंने कहा कि देश के युवा समझदार हैं और वे देख सकते हैं कि कौन उनके भविष्य के लिए काम कर रहा है और कौन उनके नाम पर राजनीति कर रहा है? भाजपा सरकार देश के हर होनहार छात्र के हक की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

हर घर तक पहुंचा स्वच्छ जल, बदली ग्राम कोदवा की तस्वीर

जल जीवन मिशन से दूर हुआ पेयजल संकट, ग्रामीणों के जीवन में आई नई खुशहाली

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विकासखंड छुईखदान अंतर्गत ग्राम पंचायत बुढ़ासागर के आश्रित ग्राम कोदवा में जल जीवन मिशन ने ग्रामीणों के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव लाया है। लगभग 315 की आबादी और 51 परिवारों वाले इस गांव में पहले पेयजल की उपलब्धता तो थी, लेकिन पर्याप्त दबाव और नियमित आपूर्ति की समस्या के कारण कई घरों, स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों तक पानी नहीं पहुंच पाता था। गर्मी के दिनों में स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती थी। ग्राम कोदवा पहाड़ी क्षेत्र के समीप स्थित है, जहां कुछ स्थानों पर पानी में आयरन की मात्रा भी पाई जाती थी। ग्रामीण हैंडपंप, बोरवेल, तालाब और अन्य जल स्त्रोतों पर निर्भर थे। महिलाओं और बुजुर्गों को पानी की व्यवस्था के लिए अतिरिक्त श्रम करना पड़ता था, जिससे उनकी दैनिक दिनचर्या प्रभावित होती थी। ग्रामीणों की इस समस्या को देखते हुए जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में 73 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए। योजना के क्रियान्वयन के साथ ही प्रत्येक घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल पहुंचना शुरू हुआ। आज गांव के सभी परिवारों को

नियमित रूप से नल से जल उपलब्ध हो रहा है और पेयजल संकट पूरी तरह समाप्त हो गया है। योजना के सफल संचालन के लिए ग्राम सभा में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति तथा जल गुणवत्ता समिति का गठन किया गया। समिति के सदस्यों को जल संरक्षण, जल प्रबंधन और जल गुणवत्ता परीक्षण की जानकारी दी गई। जलवाहिनी दीदियों को फील्ड टेस्टिंग किट (थ्ज्ज्ञ) के माध्यम से जल परीक्षण तथा उसकी ऑनलाइन रिपोर्टिंग का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इसके साथ ही जल स्त्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया गया। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से गांव में जल जनित बीमारियों में कमी आई है और लोगों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। महिलाओं का समय और श्रम बच रहा है, जिससे वे परिवार और अन्य आजीविका संबंधी गतिविधियों में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। बच्चों को स्कूल और आंगनबाड़ी में भी पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो रहा है। आज ग्राम कोदवा जल जीवन मिशन की सफलता का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है। यह गांव दशार्ता है कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किस प्रकार ग्रामीण जीवन को बेहतर बना सकता है। स्वच्छ जल, बेहतर स्वास्थ्य और बढ़ती खुशहाली के साथ कोदवा अब जिले के अन्य गांवों के लिए प्रेरणा का केंद्र बन गया है।

52 केंद्रों में होगा कल प्रयोगशाला परिचारक भर्ती परीक्षा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल (सीजी व्यापम) द्वारा आयोजित प्रयोगशाला परिचारक भर्ती परीक्षा (ढरछअ-26) रविवार, 26 जुलाई को रायपुर जिले के 52 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक होगी। परीक्षा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर कलेक्ट्रेट स्थित रेडक्रॉस सोसायटी सभाकक्ष में अपर कलेक्टर नवीन ठाकुर ने अधिकारियों और केंद्र प्रभारियों की ब्रीफिंग ली। परीक्षा संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर उत्तम प्रसाद रजक को नोडल अधिकारी तथा विशेष रोजगार कार्यालय के रोजगार अधिकारी केदारनाथ पटेल को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस भर्ती परीक्षा में जिलेभर से 16,987 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा की गोपनीय सामग्री का वितरण रविवार सुबह 6 बजे जिला कोषालय, कलेक्टर परिसर से किया जाएगा। इसके बाद सामग्री निर्धारित सुरक्षा व्यवस्था के साथ सभी परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाई जाएगी। अपर कलेक्टर ने सभी केंद्रों पर पेयजल, बिजली, बैठने की व्यवस्था समेत आवश्यक मूलभूत सुविधाएं पहले से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आयोग द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक परीक्षार्थी की परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले अनिवार्य रूप से फ्रिस्किंग की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या नकल की संभावना न रहे और परीक्षा निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके।

शिवभक्तों की सेवा में जुटी युवा साथी फाउंडेशन, डाबर कंपनी के सहयोग से भेजी राहत सामग्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पावन श्रावण मास और देवघर की कठिन कांवड़ यात्रा को शिवभक्तों के लिए सुगम, सुरक्षित और आनंदमय बनाने हेतु युवा साथी फाउंडेशन ने एक अनुकरणीय पहल की है। संस्था ने डाबर कंपनी के सक्रिय सहयोग से छत्तीसगढ़ बोल बम कल्याण संघ को दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री के 57 बक्से भेजे हैं, जो यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सेवा में समर्पित किए जाएंगे।

संकल्प सेवा का: हर कदम शिवभक्तों के साथ

लाखों की संख्या में श्रद्धालु कड़े मौसम और लंबी पैदल यात्रा के बावजूद अगाध आस्था के साथ बाबा बैद्यनाथ धाम पहुँचते हैं। श्रद्धालुओं की इस कठिन यात्रा को आसान बनाने के लिए युवा साथी फाउंडेशन ने राहत और दैनिक उपयोग की सामग्री का एक विस्तृत किट तैयार कर भेजा है। ?इस अभियान के तहत स्वास्थ्य एवं ऊर्जा के लिए हिंग गोली, शुद्ध शहद, बाम, डाबर बादाम उत्पाद, रोगन बादाम और तेल पाउच भेजे गए हैं। व्यक्तिगत स्वच्छता के वास्ते टूथब्रश, टूथपेस्ट और ओडोमास तथा स्वच्छता एवं तरोताजगी के लिए रूम फ्रेशनर, ओडोनील, हार्पिक और बर्तन धोने का साबुन शामिल किया गया है। इसके अलावा, यात्रा राहत हेतु श्रद्धालुओं के लिए 200 पानी की बोतलें भी भेजी गई हैं।

जनसेवा और धार्मिक आस्था का अनूठा संगम

युवा साथी फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था का मूल उद्देश्य सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ-साथ धार्मिक एवं मानवीय भावनाओं का सम्मान करना है। कठिन परिस्थितियों में भोले के दरबार की ओर बढ़ रहे कांवड़िए समाज की आस्था के प्रतीक हैं, और उनकी सेवा करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। संस्था ने बाबा बैद्यनाथ से प्रार्थना की है कि सभी शिवभक्तों की कांवड़ यात्रा सुरक्षित, सुखद और मंगलमय हो तथा सभी को उत्तम स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक ऊर्जा की प्राप्ति हो। इस वृहद सेवा कार्य को मूर्त रूप देने में सहयोग के लिए युवा साथी फाउंडेशन ने डाबर कंपनी का आभार जताया है। साथ ही, संस्था ने भविष्य में भी जनहित, धर्म और समाजसेवा के ऐसे अभियानों को निरंतर जारी रखने का दृढ़ संकल्प लिया है।

15 करोड़ हस्ताक्षरों के साथ गो सम्मान यात्रा 27 को, राष्ट्रपति तक पहुंचेगी गोहत्या पर कानून की मांग

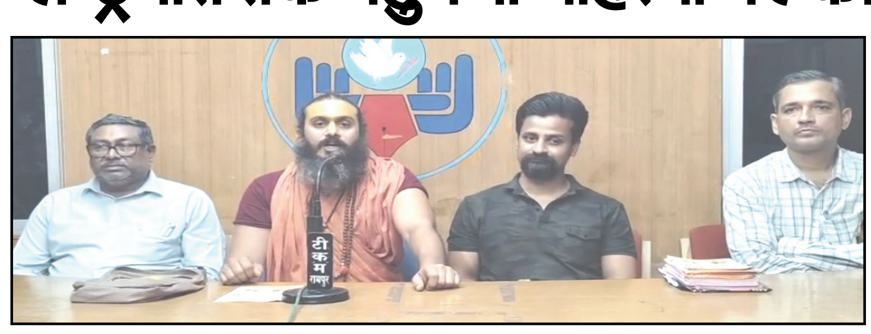

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। गो सम्मान आह्वान अभियान के दूसरे चरण के तहत 27 जुलाई को देशभर के सभी जिलों में एक साथ प्रार्थना यात्राएं निकाली जाएंगी। इस दौरान 15 करोड़ से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षरों वाले ज्ञापन जिलाधीशों के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संबंधित राज्यों के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्रियों को सौंपे जाएंगे। शनिवार को रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में राज्य प्रभारी भारत दास महाराज, नरेंद्र गुप्ता, आदेश सोनी और प्रेस प्रभारी प्रवीण शर्मा ने इस संबंध में जानकारी दी। अभियान के पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले छह माह से संत-महात्माओं, गोसेवकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से राष्ट्रव्यापी जनजागरण एवं हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। ज्ञापन में गोहत्या निषेध के लिए केंद्रीय कानून, गोमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान, केंद्रीय गो मंत्रालय की स्थापना, गोचर भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने, राष्ट्रीय गो-चारा नीति लागू करने तथा कृषि, पर्यावरण, चिकित्सा और शिक्षा से जुड़े 30 से अधिक विषयों को राष्ट्रीय नीति में शामिल करने की मांग की गई है।

रायपुर में सुबह 7:30 बजे से शुरू होगा कार्यक्रम

अभियान के राज्य प्रभारी भारत दास महाराज ने बताया कि रायपुर में कार्यक्रम का शुभारंभ 27 जुलाई को सुबह 7:30 बजे पुरानी बस्ती स्थित महामाया मंदिर में गोमाता पूजन, शंखनाद और सामूहिक ₹श्री राम जय राम जय जय राम₹ विजय मंत्र जाप के साथ होगा। इसके बाद प्रार्थना यात्रा महामाया मंदिर से निकलकर बूढ़ातालाब, इंडोर स्टेडियम, नगर निगम मुख्यालय, महिला थाना चौक और मोतीबाग चौक होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचेगी। यहां जिलाधीश के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

झांकियां और बड़ी संख्या में शामिल होंगे श्रद्धालु

यात्रा में भगवान श्रीकृष्ण-बलराम की झांकी, गोमाता एवं बछड़े का स्वरूप, अभियान के बैनर और हस्ताक्षर अभियान का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम में संत-महात्मा, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, किसान, युवा, मातृशक्ति और बड़ी संख्या में गोभक्त शामिल होंगे। अभियान की ओर से प्रदेशवासियों से परिवार सहित प्रार्थना यात्रा में शामिल होकर गोमाता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के इस जनजागरण अभियान का हिस्सा बनने की अपील की गई है।

सम्पादकीय

पीएम की फास्ट ट्रैक कोर्ट की घोषणा सकारात्मक पहल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीट पेपर लीक के आरोपियों के खिलाफ त्वरित सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स बनाए जाने और दोषी पाए जाने पर सख्त सजा देने की घोषणा करके संदेश दिया है कि सरकार परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने और छात्रों हितों के प्रति गंभीर है। इसके अलावा केंद्र सरकार ने गतिरोध तोड़ने के लिए प्रदर्शनकारी छात्रों को चार बार वार्ता का न्योता भेजा है। हालांकि प्रदर्शनकारियों की मांग है कि वे केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के कार्यालय या आवास पर वार्ता के लिए नहीं जाएंगे। वे जंतर-मंतर पर ही मंत्री के साथ वार्ता करेंगे। मौके की नजाकत को देखते हुए छात्रों को भी नरम रुख अपनाते हुए वार्ता के प्रस्ताव को स्वीकार कर आगे बढ़ना चाहिए। यदि दोनों पक्ष सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे आएं तो सभी मुद्दों का समाधान निकल सकता है। सामान्य न्यायिक प्रक्रिया में ऐसे मामलों का वर्षों तक लंबित रहना न केवल न्याय में देरी का कारण बनता है, बल्कि अपराधियों के मनोबल को भी बढ़ाता है। यदि विशेष अदालतों के माध्यम से समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित होती है और दोषियों को कठोर दंड मिलता है तो यह भविष्य में ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने में प्रभावी साबित हो सकता है। साथ ही परीक्षा माफिया और संगठित गिरोहों को स्पष्ट संदेश जाएगा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने की कोई भी कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हालांकि केवल सजा की व्यवस्था ही पर्याप्त नहीं होगी। परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित बनाना, प्रश्नपत्रों के वितरण की निगरानी मजबूत करना और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करना भी उतना ही आवश्यक है। दूसरी ओर, आंदोलन कर रहे छात्रों की चिंताओं को भी गंभीरता से समझना होगा। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। यदि छात्र अपनी मेहनत और भविष्य को लेकर सड़क पर उतरते हैं तो उनकी बात सुनी जानी चाहिए। सरकार द्वारा कई बार वार्ता का प्रस्ताव दिया जाना सकारात्मक संकेत है। अब छात्रों को भी संवाद का अवसर गंवाना नहीं चाहिए। बातचीत किसी भी विवाद का सबसे प्रभावी और लोकतांत्रिक माध्यम है। यदि वार्ता होती है तो केवल तत्काल मांगों पर ही नहीं, बल्कि भविष्य में परीक्षा सुधारों पर भी ठोस सहमति बन सकती है। इसके साथ ही आंदोलन को उसकी मूल भावना तक सीमित रखना भी आवश्यक है। किसी भी जन आंदोलन में समय के साथ विभिन्न राजनीतिक या अन्य हित समूह सक्रिय होने का प्रयास करते हैं। यदि आंदोलन का उद्देश्य छात्रों के अधिकार और परीक्षा सुधार हैं तो उसे उसी दिशा में केंद्रित रहना चाहिए। हिंसा, टकराव या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसी घटनाएं आंदोलन की नैतिक शक्ति को कमजोर करती हैं और वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। पुलिसकर्मियों पर हमले या कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाली घटनाएं किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन की भावना के अनुरूप नहीं कही जा सकतीं। यदि कहीं ऐसे तत्व सक्रिय हैं जो आंदोलन को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं, तो छात्रों को स्वयं उनसे दूरी बनानी चाहिए। वहीं, विपक्ष को भी इस मुद्दे पर केवल राजनीतिक लाभ-हानि के बजाय रचनात्मक सुझाव देने चाहिए। युवाओं का भविष्य किसी भी दलगत राजनीति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। कुल मिलाकर यह समय टकराव का नहीं, बल्कि विश्वास बहाली का है। फास्ट ट्रैक कोर्ट की घोषणा एक सकारात्मक पहल है, लेकिन इसकी सफलता प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी।

मुद्दा
राज कुमार सिन्हा

बार-बार परीक्षाओं के निरस्त होने, नियुक्तियों में देरी और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर उठते सवालों ने लाखों युवाओं के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है। हर रद्द हुई परीक्षा और हर प्रश्नपत्र लीक के पीछे वर्षों की मेहनत, परिवारों का आर्थिक निवेश, मानसिक तनाव और टूटते सपने जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि यह आंदोलन केवल परीक्षा सुधार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि युवाओं के रोजगार, महंगाई और भविष्य की सुरक्षा जैसे व्यापक प्रश्नों से भी जुड़ गया है। परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर आमरण अनशन कर रहे पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा अस्पताल ले जाने के बाद आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनसमर्थन मिला।

परीक्षा व्यवस्था और लोकतांत्रिक टकराव

भारत में शिक्षा और सार्वजनिक भर्ती परीक्षा प्रणाली को लेकर उपजा असंतोष अब एक व्यापक सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन का रूप ले चुका है। पिछले लगभग एक महीने से हजारों छात्र-छात्राएं और युवा शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे हैं। उनकी प्रमुख मांग है कि शिक्षा व्यवस्था और सार्वजनिक भर्ती एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली में गहराते संकट के लिए जवाबदेही तय की जाए तथा परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बहाल की जाए। पिछले एक दशक में देशभर में केंद्रीय और राज्य स्तरीय परीक्षाओं के 90 से अधिक पेपर लीक होने के मामले सामने आए हैं, जिनसे लगभग 7.5 करोड़ अभ्यर्थी प्रभावित हुए हैं। इनमें नीट-यूजी, यूजीसी-नेट, एसएससी तथा विभिन्न राज्यों की पुलिस और शिक्षक भर्ती परीक्षाएं शामिल हैं। भारत की 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग की लगभग 34.5 से 37.1 करोड़ युवा आबादी, जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग 27 प्रतिशत है, इस व्यवस्था से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ी हुई है।

बार-बार परीक्षाओं के निरस्त होने, नियुक्तियों में देरी और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर उठते सवालों ने लाखों युवाओं के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है। हर रद्द हुई परीक्षा और हर प्रश्नपत्र लीक के पीछे वर्षों की मेहनत, परिवारों का आर्थिक निवेश, मानसिक तनाव और टूटते सपने जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि यह आंदोलन केवल परीक्षा सुधार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि युवाओं के रोजगार, महंगाई और भविष्य की सुरक्षा जैसे व्यापक प्रश्नों से भी जुड़ गया है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर तीन सप्ताह से आमरण अनशन कर रहे पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा अस्पताल ले जाने के बाद आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनसमर्थन मिला। इसके बाद छात्रों ने संसद तक मार्च का आह्वान किया। दिल्ली, मुंबई, पटना, बेंगलुरु सहित अनेक शहरों में कैंडल मार्च, धरने और प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं। सिख समाज सहित अनेक सामाजिक संगठनों द्वारा प्रदर्शनकारियों के लिए भोजन की व्यवस्था की जा रही है। बड़ी संख्या में आम नागरिक भी भोजन और अन्य आवश्यक सामग्री भेजकर आंदोलन के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त कर रहे हैं। इस मानवीय सहयोग ने आंदोलन को सामाजिक संवेदना का भी स्वरूप प्रदान किया है। 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान दिल्ली पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव हुआ। पुलिस ने आंसू गैस, लाठीचार्ज तथा अन्य बल प्रयोग के माध्यम अपनाए। अनेक प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मी घायल हुए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि उनके विरुद्ध अत्यधिक बल प्रयोग किया गया, जबकि पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। आंदोलनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ सादे कपड़ों में मौजूद लोगों ने प्रदर्शनकारियों पर हिंसा की तथा बैरिकेडिंग में करंट और कीलों वाली लाठियों का प्रयोग किया गया। पुलिस पर पैलेट गन के इस्तेमाल के भी आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र जांच की मांग उठ रही है। सरकार ने जंतर-मंतर क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए, कई

मेट्रो स्टेशनों को अस्थायी रूप से बंद किया तथा पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में बदल दिया। केंद्र सरकार ने जंतर-मंतर पर जारी प्रदर्शनों को संभालने के लिए 3000 अतिरिक्त सशस्त्र पुलिसकर्मी भेजे हैं। यह कदम दिल्ली पुलिस के अनुरोध पर उठाया गया है।

राजधानी के संवेदनशील हिस्सों जंतर-मंतर से संसद भवन तक खासतौर से इसके आसपास के इलाकों को पूरी तरह से छावनी में बदल दिया गया है। जमीनी घेराबंदी के अलावा दिल्ली की सुरक्षा को आधुनिक तकनीक से पूरी तरह से लैस किया गया है। इसके बावजूद अगले दिन भी बड़ी संख्या में छात्र आंदोलन स्थल पर पहुंचे और संघर्ष जारी रखने की घोषणा की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित अनेक विपक्षी नेताओं ने प्रदर्शनकारियों के समर्थन में प्रदर्शन किया और गिरफ्तार हुए। उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, शरद पवार, सुप्रिया सुले, अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह सहित कई नेताओं ने जंतर-मंतर पहुंचकर आंदोलन का समर्थन किया। संसद में भी विपक्ष ने पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए गृह मंत्री अमित शाह और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई। एमनेस्टी इंटरनेशनल सहित कई मानवाधिकार संगठनों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग पर चिंता व्यक्त की और लोकतांत्रिक अधिकारों के सम्मान की आवश्यकता पर बल दिया। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण और अहिंसक तरीके से अपनी बात रखने तथा धरना-प्रदर्शन करने का अधिकार देता है। आंदोलनकारी छात्रों का कहना है कि उनकी लड़ाई केवल किसी एक परीक्षा या भर्ती प्रक्रिया की नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा एवं भर्ती व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही स्थापित करने की है। उनकी प्रमुख मांगों में परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार, पेपर लीक मामलों में त्वरित एवं कठोर कार्रवाई, भर्ती प्रक्रियाओं की समयबद्धता, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी में जवाबदेही तय करना तथा शिक्षा व्यवस्था में जनता का विश्वास बहाल करना शामिल है। यह आंदोलन अब केवल परीक्षा सुधार का प्रश्न नहीं रह गया है, बल्कि युवाओं के भविष्य, रोजगार और शासन की जवाबदेही से जुड़ा राष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है। यदि सरकार आंदोलनकारी छात्रों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी मांगों पर ठोस और समयबद्ध निर्णय लेती है, तो स्थिति शांत हो सकती है और शिक्षा व्यवस्था में सुधार का रास्ता खुल सकता है। इसके विपरीत यदि केवल पुलिस बल और प्रशासनिक नियंत्रण के माध्यम से आंदोलन को दबाने का प्रयास जारी रहता है, तो युवाओं का असंतोष और व्यापक हो सकता है। ऐसी स्थिति में यह आंदोलन देशव्यापी छात्र-युवा अभियान का रूप लेकर विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों को भी अपने साथ जोड़ सकता है। इससे संसद, न्यायपालिका और सरकार पर संस्थागत सुधारों का दबाव बढ़ने की संभावना है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी संकट का सबसे प्रभावी समाधान संवाद, पारदर्शिता और जवाबदेही है। इसलिए आने वाले समय में सरकार और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत, विश्वास बहाली और शिक्षा सुधारों पर ठोस पहल ही यह तय करेगी कि यह संघर्ष टकराव की दिशा में बढ़ता है या फिर भारतीय शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनता है। उधर, संसद के मॉनसून सत्र का तीसरा दिन भी हंगामे के नाम रहा। पेपर लीक और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर बना राजनीतिक गतिरोध है। सरकार और विपक्ष, दोनों को टकराव छोड़कर संवाद का रास्ता तलाशना होगा।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मंथन
डॉ. मोनिका शर्मा

सांस्कृतिक जुड़ाव को बल दें भाषाएं

कोई भी भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम भर नहीं होती। देश, समाज या किसी समुदाय विशेष की परंपराओं और संस्कृति के अनगिनत रंग सहेजे होती है। भाषाएं समग्र रूप से देश की संस्कृति को अगली पीढ़ियों तक ले जाने का काम करती हैं। यही वजह है कि संस्कृति के इन रंगों को जीवन से जोड़े रखने और विरासत सहेजने के लिए भाषाओं को जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है। असल में भाषायी विविधता सोच और समझ के नए द्वार भी खोलती है। मानवीय भावनाओं को साझेपन का परिवेश बनाती है। यही वजह है कि किसी एक भाषा के विलुप्त होना उसके शब्दों का खत्म होना भर नहीं, बल्कि एक समाज विशेष के सदियों पुराने इतिहास, लोकगीत, उत्सव, रीति-रिवाज, लोक-साहित्य और जीवनयापन से जुड़े व्यावहारिक ज्ञान के खत्म होने जैसा है। विशेषकर मातृभाषा से दूर होना होना तो इंसान की मौलिक अभिव्यक्ति की सहजता और गहराई ही छीन लेता है। हाल ही में कोलकाता में राष्ट्रीय पुस्तकालय परिसर में 'म्यूजियम ऑफ वर्ड' यानि 'शब्द संग्रहालय का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि किसी भी देश की भाषा उसकी विरासत को संभालती है और उसकी संस्कृति को समझने का जरिया बनती है। इसीलिए अपनी मातृभाषा सीखने के साथ-साथ हर विद्यार्थी को कम से कम एक और भारतीय भाषा अवश्य सीखनी चाहिए, ताकि वे देश की सांस्कृतिक विविधता को और बेहतर तरीके से समझ सकें। यह विचार सकारात्मक और सराहनीय तो है ही, सांस्कृतिक विविधता के लिए दुनियाभर में मान पाने वाले हमारे देश की नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने वाला भी है। ज्ञात हो कि केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पुस्तकालय द्वारा विकसित 'शब्दलोक' संग्रहालय भी भारत की समृद्ध भाषाई विरासत को ही समर्पित है। संग्रहालय में अत्याधुनिक तकनीक और संवादात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से देश की मौखिक और लिखित भाषाई परंपराओं के विकास की यात्रा को दर्शाया गया है। वस्तुतः, भाषाएं किसी भी देश की विरासत को आगे बढ़ाने सबसे सशक्त माध्यम होती हैं। बावजूद इसके हालिया बरसों में बच्चे न केवल अपनी मातृभाषा से दूर हो रहे हैं बल्कि दूसरी भाषाओं को सीखने में भी कम ही रुचि लेते हैं। आधुनिक जीवनशैली और डिजिटल होती दुनिया में अंग्रेजी के बढ़ते चलन के कारण बच्चे अपनी मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं को भूलते जा रहे हैं। हमारी सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर करने वाले इस व्यवहार से कई भाषाएं विलुप्त होने के कगार पर हैं। घरों में भी अपनी मातृभाषा बोलने का चलन कम हुआ है। बहुत से युवा रोजगार के अवसरों को देखते हुए दूसरे देशों की भाषा सीख रहे हैं पर अपने ही क्षेत्र की भाषा भूल गए हैं। यह स्थिति न केवल उनकी सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर करती है, बल्कि हमारी समृद्ध भाषाई विविधता को भी विलुप्त होने के कगार पर ला रही है। समझना कठिन नहीं कि अपनी भाषाएं न सीखने से मानवीय जीवन से जुड़ी कई अनमोल मौखिक परम्पराएं हमेशा के लिए समाप्त हो रही हैं। चिंतनीय है कि भारत की भाषाई विविधता को संरक्षित करने की बात हो सभ्यतागत पहचान को सुरक्षित रखने की, देश के सभी हिस्सों की भाषाएं ही आपसी जुड़ाव का पुल बनाकर सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का मार्ग दिखाती हैं। इस गठजोड़ को मजबूती देने के लिए परिवार की भूमिका भी अहम है। गृहमंत्री अमित शाह ने भी परिवार की भाषा ही पहली पाठशाला बनने की बात कही है। उन्होंने कहा कि मां की भाषा में ही बच्चे की पढ़ाई हो, विद्यालय और विश्वविद्यालय मौलिक चिंतन का केंद्र बनें, तभी हम सृजन में अपना योगदान दे सकते हैं। यह सचमुच चिंतनीय है कि बड़े शहरों में आकर बसने, दूसरे राज्यों में जाकर रहने या विदेश में जा बसने के कारण बहुत से भारतीय परिवारों का अपनी मूल मातृभाषा से संपर्क टूट जाता है। इसके चलते बच्चे अपनी जड़ों, लोक-संस्कृति, त्योहारों और पारंपरिक मूल्यों से भी दूर हो रहे हैं। इस सभ्यतागत संकट के बावजूद देश में 117 भाषाएं खतरे में हैं। बीते 50 वर्षों में 220 से अधिक भाषाएं अपना अस्तित्व खो चुकी हैं। कई भाषाएं ऐसी हैं जिन्हें बोलने वाले 10 हजार से भी कम लोग बचे हैं। यूनेस्को की ओर से जारी एटलस ऑफ वर्ल्ड लैंग्वेज इन डैंजर की रिपोर्ट के मुताबिक साल 1950 से अब तक पूरी दुनिया में सैकड़ों भाषाएं खत्म हो चुकी हैं। असल में भाषाएं सीखना और उन्हें बोलचाल का हिस्सा बनाना ही संवाद के इस माध्यम को सहेजने का एकमात्र रास्ता है। अपनी मातृभाषा के अलावा एक ओर भाषा सीखने का आह्वान भी इस मोर्चे पर बहुत मायने रखता है। इससे देश की संस्कृति को समझने में भी नई पीढ़ी की रुचि बढ़ेगी।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

भगवान विष्णु रहेंगे चार माह तक योग निद्रा में

संकलित
दर्शन

हिंदू धर्म में देवशयनी एकादशी का विशेष महत्व होता है। हर वर्ष आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी के नाम से जाना है। एकादशी पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष रूप से पूजा होती है। देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु चार महीनों के लिए योग निद्रा में क्षीर सागर में चले जाते हैं। इन चार महीनों के दौरान भगवान शिव सृष्टि का संचालन करते हैं। इसके अलावा चार महीने यानी चातुर्मास के दौरान कई तरह के कार्य वर्जित होते हैं। वहीं इस दौरान कई तरह के कार्य करना शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं क्या करें। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष देवशयनी एकादशी 25 जुलाई है और इस दिन के बाद भगवान विष्णु चार महीनों के लिए योग निद्रा में होते हैं, जो कार्तिक माह के देवउठनी एकादशी पर जागते हैं। ऐसे में इस दौरान चार महीनों तक भगवान विष्णु पूजा, जप, तप और दान करते हुए भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। देवशयनी एकादशी भगवान विष्णु की उपासना के लिए अत्यंत शुभ मानी जाती है। इस दिन श्रद्धापूर्वक व्रत रखने और विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा करने से जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और धन-धान्य की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति के पापों का क्षय होता है और उसे मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

देह दानी राजा शिवि महाराज

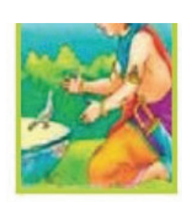

संकलित
प्रेरणा

एक दिन राजा अपने दरबार में बैठे थे तभी एक कबूतर उड़ता हुआ उनकी गोद में आ गिरा और अपनी रक्षा के लिए प्रार्थना करने लगा कबूतर ने कहा - महाराज आपकी उदारता और शरणागत पर दया की चर्चा पशु-पक्षियों तक में होती है मैं भी आपके राज्य में निवास करने के कारण आपकी प्रजा और अभी आपका शरणागत हूं। मेरी रक्षा करें। शिवि ने कबूतर को निश्चिंत रहने का वचन दिया और कहा कि वह उसकी रक्षा हर हाल में करेंगे। राजा ने जैसे ही वचन दिया तभी वहां एक बाज आ पहुंचा और शिवि से कबूतर को वापस करने की मांग करने लगा। बाज ने कहा - महाराज यह कबूतर मेरा आहार है मैं अपने आहार का पीछा कर रहा था मैंने इस पर प्रहार भी किए है, आप मुझे मेरा आहार वापस करें। आपकी बड़ी कृपा होगी। राजा शिवि ने कहा - बाज यह तुम्हारा आहार रहा होगा किंतु अभी यह मेरा शरणागत है और मैंने इसको प्राण रक्षा का वचन दिया है। इसलिए मैं अपना वचन भंग नही कर सकता। बाज ने कहा - महाराज मैं भी आपके राज्य का रहने वाला पक्षी हूं। विधाता ने मुझे शिकार करके अपना पेट भरने की व्यवस्था दी है अगर आप कबूतर वापस नहीं करेंगे तो आपको मुझे भूखा रखने का पाप लगेगा। जो राजा अपनी प्रजा को किसी कारण कष्ट देता है या उसके आहार का हरण करता है उस राजा पर से देवों की कृपा समाप्त हो जाती है उसकी प्रजा को इसका दंड भोगना पड़ता है आप यह पाप न करें। शिवि ने कहा - तुम्हारी बातें सत्य है किंतु मैं वचनबद्ध हूं। शरणागत का अतीत मुझे ज्ञात नहीं था इसलिए मैंने इसकी रक्षा का भार लिया है।

अंतर्मन

आज की पाती

यातायात नियमों के पालन नहीं करने से बढ़ रही सड़क दुर्घटनाएं

देश में हररोज सैकड़ों सड़क दुर्घटनाएं हो रहीं है। इन दुर्घटनाओं में अक्सर चालक की मौत हो जाती है। तेज गति से वाहन चलाने से अनियंत्रित होकर गाड़िया डिवाइडर या सामने वाली गाड़ियों से भिड़ जाती है। जिसमें चालक सहित गाड़ी में बैठने वालो की मौत हो जाती है। यातायात नियमों का पालन नही किया जा रहा है। नशे में वाहन चलाने वालों की संख्या में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह चौंकाने वाली बात है कि पढ़ा लिखा शिक्षित वर्ग भी इससे अछूता नही है। नेशनल हाइवे पर तेज गति वाहन चालक अनियंत्रित होकर गाड़िया सड़क के बाहर निकल जाती है या सामने वाले से भिड़ जाती है। उससे घटना स्थल पर मौत हो जाती है। यह दृश्य रोज देखने मिलता है। - *गीतांजलि, रेवाड़ी*

ट्रेंड

फास्ट ट्रैक कोर्ट

देश के युवाओं का हित हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने के लिए, केस के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन किया जाएगा।
- **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

चर्चा से भाग रहा विपक्ष

एनडीए सरकार युवाओं के भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और चर्चा के लिए तैयार है लेकिन कांग्रेस, राहुल गांधी समेत पूरा विपक्ष चर्चा से भाग रहा है, क्योंकि वे जानते हैं कि जब वे बहस के लिए सदन में आएंगे, तो उनकी दोहरी नीति दुनिया के सामने उजागर हो जाएगी।
-**गजेंद्र सिंह शेखावत**, केंद्रीय संस्कृति मंत्री

जौहर विश्वविद्यालय

दिल्ली में परीक्षा को लेकर आंदोलन चल रहा है और रामपुर में शिक्षा को लेकर। जौहर विश्वविद्यालय को बचाकर ही यहां के छात्रों का भविष्य सुरक्षित हो सकता है; इसी सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण के साथ हमारा प्रतिनिधिमंडल आज वहां पहुंचा है।
- **अखिलेश यादव**, सांसद, सपा

बेहतर शिक्षा व्यवस्था

यह आंदोलन बहुत शांतिपूर्ण था; बहुत दुख की बात है कि इसने हिंसक रूप ले लिया। जो छात्र और उनके परिवार घायल हुए, उनके प्रति मेरी पूरी संवेदना है। मुझे यह देखकर खुशी है कि हमारे देश के बच्चे बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए एकजुट हुए हैं।
- **सलमान खान**, फिल्म अभिनेता

करंट अफेयर

ईरान बातचीत के लिए सीरियस नहीं, रूबियो ने कही बड़ी बात

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान पर आरोप लगाया है कि उसने अमेरिका के साथ पिछले महीने हुई बातचीत में किए गए वादों को पूरा नहीं किया। मार्को रूबियो ने कहा कि ईरान बातचीत को लेकर सीरियस नहीं है और साथ ही वॉर्निंग दी कि अगर ईरान को मार्को रूबियो ने आगे कहा कि ईरान ने बातचीत के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष दोनों तरह के माध्यमों से अमेरिका से संपर्क किया था, लेकिन ईरान अपने वादों को पूरा करने में नाकाम रहा है। दूसरी तरफ, ईरान के युद्ध होर्मुज से निकलकर मेनडेब स्ट्रेट तक पहुंचता नजर आ रहा है। हूती विद्रोहियों ने इसके जरिए होने वाले सऊदी अरब के व्यापार को रोकने का ऐलान किया है। अभी समस्या यह है कि ईरान बातचीत के लिए सीरियस नहीं हैं। अगर वे सीरियस हैं, तो हम भी सीरियस हैं। अगर वे गंभीर नहीं हैं, तो हम खुद की और अपने सहयोगियों के हितों की सुरक्षा के लिए जो भी जरूरी होगा, वह करेंगे। मार्को रूबियो ने होर्मुज से गुजरने वाले ट्रैफिक पर कंट्रोल करने की ईरान की डिमांड की भी आलोचना की और कहा कि यह जलमार्ग एक इंटरनेशनल समुद्री रास्ता है जिसको खुला रहना चाहिए। रूबियो ने कहा, असल बात बहुत सीधी है।

ऑफ बीट

दिल के मरीजों के लिए संगीत है अच्छी दवा

भारत में 20 करोड़ लोग मानसिक रोग से ग्रस्त हैं, 5 करोड़ डिप्रेशन और इतने ही स्ट्रेस से परेशान हैं। ये तनाव दिल की बीमारी का बड़ा कारण है। द लांसेट की रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय तक और लगातार तनाव के बने रहने से ब्लड कोलेस्ट्रोल, ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर बढ़ता है। इससे हार्ट की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। हार्ट की मसल्स में ऑक्सीजन की आपूर्ति भी प्रभावित होती है। हार्ट की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। जब भी आप तनाव में हों, मनपसंद संगीत सुनिए। संगीत मस्तिष्क में रासायनिक संतुलन को बदलता है। धमनियों को आराम देकर ब्लड वेसल्स की काम करने की क्षमता सुधारता है। परिश्रम के बाद हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर को तेजी से बेस लाइन पर लौटाता है। चिंता को कम करता है। काम के दौरान लें छोटे ब्रेक- काम के दौरान स्ट्रेस होना बहुत आम है। विचारों को संतुलित करने, फोकस लाने के लिए काम के बीच हर एक घंटे में पांच मिनट का ब्रेक लें इससे तनाव कम होगा, प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी हार्ट की कार्यक्षमता भी सुधरेगी। द अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रीशन के अनुसार, प्रोसेस्ड और अल्ट्रा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में फैट नमक और चीनी ज्यादा होती है। इसे अधिक खाने की इच्छा भी होती है।

न्यायालयः - न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

उपस्थिति ज्ञापन

न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, अम्बिकापुर के न्यायालय में लंबित दांडिक परिवाद प्रकरण क्रमांक 2499/2022 पक्षकार शाखा प्रबंधक विरुद्ध अमित कुमार रवि धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम में आरोपी अमित कुमार रवि पिता रघुनाथ रवि निवासी ग्राम खलीबा, पोस्ट लटोरी, जिला सरगुजा छ०ग० के विरुद्ध दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 82 के अतर्गत इस न्यायालय में दिनांक 29/08/2026 को उपस्थित रहने हेतु उद्घोषणा जारी किया गया है।अतः आरोपी अमित कुमार रवि पिता रघुनाथ रवि इस न्यायालय में दिनांक 29/08/2026 को सुबह 11:00 बजे आवश्यक रुप से उपस्थित रहे।

गिरिवर सिंह राजपूत
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सदगुरू सेवा समिति द्वारा संस्था सामाजिक, पर्यावरण, नक्शामुक्ति आदि क्षेत्र में कार्य करती है, जिसका पंजीयन क्रमांक 122202471381 है तथा संस्था के सुचारू रूप से संचालन हेतु भवन निर्माण हेतु ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 474/3 में से 20 डिसमिल भूमि आबंटित किये जाने की मांग की गई है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 31.07.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनाकः-15/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

केंद्र सरकार ने आंध्र-कर्नाटक आर्थिक गलियारे को दी हरी झंडी

इससे औद्योगिक विकास को नई रफ्तार मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों में ज्यादा तेजी आएगी

इस महात्वाकांक्षी पहल के लिए 4,294 करोड़ के भारी-विश को मंजूरी मिली है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा इस फैसले से दोनों राज्यों में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के बीच एक बेहद महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारे के विकास को हरी झंडी दे दी है। इस महात्वाकांक्षी पहल के लिए कुल 4,294 करोड़ रुपए के भारी-भरकम निवेश को मंजूरी मिली है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट के इस फैसले से दोनों राज्यों में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। वैष्णव ने जानकारी दी कि इस योजना के तहत दो प्रमुख परियोजनाओं पर काम किया जाएगा। पहली परियोजना बल्लारी-गुंटकल के बीच तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के निर्माण की है, जिसके लिए 1,264 करोड़ का बजट रखा गया है। यह रेलवे लाइन माल ढुलाई की क्षमता में बड़ा इजाफा करेगी। वहीं दूसरी प्रमुख परियोजना भव्य रसायन योजना है, जिसके लिए 3,030 करोड़ आवंटित किए गए हैं। यह पहल क्षेत्र में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने में मदद करेगी।

परियोजना से जुड़ी 5 बड़ी बातें

- **कुल बजट आवंटनः** आंध्र-कर्नाटक कॉरिडोर के लिए केंद्र सरकार ने 4,294 करोड़ के कुल निवेश को मंजूरी दी।
- **रेलवे लाइन विस्तारः** बल्लारी-गुंटकल मार्ग पर तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के लिए 1,264 करोड़ खर्च होंगे।
- **भव्य रसायन योजनाः** औद्योगिक रफ्तार बढ़ाने वाली इस योजना के लिए 3,030 करोड़ की राशि निर्धारित की गई है।
- **भारी रोजगार सृजनः** निर्माण और परिचालन के दौरान करीब 31 लाख मानव-दिवस का रोजगार उत्पन्न होगा।
- **अतिरिक्त माल ढुलाईः** इससे प्रति वर्ष 1.6 करोड़ टन अधिक माल की आवाजाही हो सकेगी।

इसके लिए 4,294 करोड़ के भारी-भरकम निवेश को मंजूरी

इससे बदलेगी तस्वीर

उद्योगों को होगा बड़ा फायदा

यह आर्थिक गलियारा बल्लारी-होसपेट क्षेत्र के स्टील और सीमेंट क्लस्टरों के लिए बेहद मददगार साबित होगा। इससे भारी उद्योगों के कच्चे माल और तैयार उत्पादों का परिवहन काफी तेज और आसान हो जाएगा। यह प्रमुख समुद्री बंदरगाहों और प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक पहुंच को भी सुगम बनाएगा। हर साल 1.6 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई होगी।

कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन घटेगा — यह परियोजना न केवल आर्थिक दृष्टिकोण से बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी एक मिसाल कायम करेगी। इस गलियारे के शुरू होने से हर साल करीब 6.67 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम होगा।

कैबिनेट ने 'भव्य रसायन' योजना को दी स्वीकृति

देश में बनेंगे 3 केमिकल पार्क, बुनियादी सुविधाएं बढ़ेंगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में तीन समर्पित केमिकल पार्क स्थापित करने के लिए 'भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन (भव्य रसायन)' को मंजूरी दे दी है। इस योजना की घोषणा वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में की गई थी।

निर्यात बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम होगी

भव्य रसायन योजना से रसायन उद्योग की पूरी मूल्य श्रृंखला को बढ़ावा मिलेगा। उद्योगों का विकास होगा, संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी। इससे आयात पर निर्भरता कम होगी।

इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे

यह योजना पर्यावरण-अनुकूल औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा देगी। पार्कों में कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट, ट्रीटमेंट होंगे। रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

दिल्ली हाई कोर्ट का ईसी से सवाल

आर्टिकल 324 की आड़ में आप मनमर्जी नहीं कर सकते

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर से संबंधित कार्य के लिए स्कूली शिक्षकों को तैनात करने के मामले में चुनाव आयोग पर सवाल उठाया है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की पीठ ने पूछा कि क्या चुनाव आयोग संविधान के अनुच्छेद 324 का सहारा लेकर अपनी मनमर्जी कर सकता है। इसकी आड़ में आप जो चाहें वो करते हैं? कोर्ट ने कहा कि किसी को आपके मानदेय या मुआवजे में कोई दिलचस्पी नहीं है। क्या आपके निर्देशों को अनिवार्य कहा जा सकता है? क्या आप कह सकते हैं कि नहीं, हम मुआवजा दे रहे हैं। वह किस अधिकार के तहत स्कूल शिक्षकों को एसआईआर में काम करने का निर्देश दे रहा है।

शक्ति का उदारतापूर्वक प्रयोग करना चाहिएः ईसी

चुनाव आयोग की ओर से अधिवक्ता संजय वशिष्ठ पेश हुए। उन्होंने तर्क दिया कि दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और केवल 10-14फीसदी स्कूली शिक्षकों को ही मतदाता सूची संशोधन कार्यों में लगाया जाता है। वशिष्ठ ने कहा कि कर्मचारियों को नियुक्त करने की आयोग की शक्ति लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 13बी (2) से प्राप्त होती है और किसी भी असुविधा से बचने के लिए इस शक्ति का उदारतापूर्वक प्रयोग किया जाता है।

ओपेन एआई मॉडल को ट्रेन करने के लिए कॉपीराइट कंटेंट का इस्तेमाल उल्लंघन नहीं, आवेदन खारिज

दिल्ली हाईकोर्ट ने चैटजीपीटी की संस्थापक ओपनएआई इंक के खिलाफ दायर कॉपीराइट उल्लंघन के मुकदमे में अंतरिम निषेधाज्ञा आवेदन को खारिज कर दिया। जस्टिस अमित बंसल ने कहा कि उन्होंने क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के मुद्दे पर एएनआई के पक्ष में फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा, कॉपीराइट वाले कंटेंट को संजोकर रखने और उनकी ट्रेनिंग में कॉपीराइट को कोई उल्लंघन नहीं माना जा सकता। मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि चैटजीपीटी की ओर से दिए गए आउटपुट धारा 51 के तहत कॉपीराइट उल्लंघन नहीं है, क्योंकि ओपन एआई की ओर दिए गए आउटपुट एएनआई के आउटपुट से एकदम मिलते-जुलते नहीं थे।

किसानों को सीधे रियायती उर्वरक

सरकार ने देश के 40 जिलों में 'पायलट परियोजना' शुरू की

'उर्वरक बिक्री के लिए ढांचा' नाम दिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने किसानों को रियायती उर्वरक सीधे वितरित करने के लिए एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की है। यह पहल 20 राज्यों के 40 जिलों में चरणबद्ध तरीके से चल रही है। शुक्रवार को रसायन और उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने लिखित उत्तर में यह बताया। उर्वरक विभाग और कृषि और किसान कल्याण विभाग इस प्रायोगिक परियोजना को चला रहे हैं। किसान या उनके अधिकृत प्रतिनिधि मोबाइल एप के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। वे अपनी भूमि और फसल का विवरण प्रदान कर सकते हैं। अपनी उर्वरक आवश्यकताओं को पहले से बुक कर सकते हैं। यह प्रायोगिक परियोजना 'उर्वरक बिक्री के लिए ढांचा' नाम से लागू की गई है।

'जल प्रलय' ने कई राज्यों में लाई तबाही, असम ज्यादा प्रभावित

पानी में बहीं गाड़ियां, सड़क-खेत डूबे, 50 की मौत

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

देश के कई हिस्सें में भारी बारिश हो रही है। कई जगह बारिश के पानी में गाड़ियां बह गई है। असम के कई हिस्से बाढ़ के कारण अभी भी जलमग्न हैं। अधिकारियों ने बताया कि 11 जिले बाढ़ की चपेट में आए हैं। इससे 7.21 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, मरने वालों की संख्या 50 हो गई है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसारबाढ़ से प्रभावित जिले गोलाघाट, होजई, कामरूप, चराइदेव, जोरहाट, डिब्रूगढ़, शिवसागर, नागांव, कामरूप (मेट्रो), कार्बी आंगलोंग और तिनसुकिया हैं। कुल 37 राजस्व सर्कल और 883 गांव प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ के कारण 25,375.44 हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा है।

महाराष्ट्र और गुजरात भी जलमग्न, मचा हाहाकार

शिवसागर में जनजीवन अस्त-व्यस्त

बाढ़ का सबसे गंभीर असर शिवसागर जिले में दहै, जहां 3,75,682 लोग प्रभावित हुए हैं। चराइदेव में 1,86,351 और जोरहाट में 1,15,764 लोग प्रभावित हुए हैं। यहां 4, चराइदेव में 2 बाढ़ की चपेट में आए।

गुजरात में 38,653 लोगों को बचाया

गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ के कारण अब तक 38,653 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और 5,500 से अधिक लोगों का सफल रेस्क्यू किया गया है। बचाव कार्य में सेना ने मोर्चा संभाल रखा है।

कई राज्यों में होगी मूसलाधार बारिश

दक्षिण पूर्वी राजस्थान में कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। इस गुजरात, मध्य महाराष्ट्र में ,हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड में काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी इलाकों में बारिश होने वाली है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं धनेन्द्रा पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र /सुपुत्री/पत्नी धनेश्वर पैंकरा गाँव /शहर खुंटा पानी, तहसील-पत्थगॉव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम-धनेन्द्रा (पुराना नाम) से बदल कर घनेन्द्र पैकरा (नया नाम) रख लिया है।मैं धनेश्वर पैंकरा (माता/ पिता/पालक का नाम) सुपुत्र /सुपुत्री मत्थू साय. गाँव/शहर खुंटापानी, तहसील-पत्थगाँव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम घनेन्द्रा (पुराना नाम) से बदल कर घनेन्द्र पैंकरा (नया नाम) रख लिया है।

सोनभद्र में नीति तारा पर अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

सोनभद्र।आकांक्षी जनपद एवं आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत नीति आयोग द्वारा विकसित नीति तारा (विश्लेषण, समीक्षा एवं कार्यवाही टूलकिट) के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विकास भवन, सोनभद्र में जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों का क्षमता निर्माण एवं उन्मुखीकरण प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों को आंकड़ा- आधारित निर्णय प्रणाली, विभिन्न शासकीय पोर्टलों तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषणात्मक उपकरणों के उपयोग से परिचित कराना था।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र० 202607021700025/अ-24/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक रामनरेश विश्वकर्मा आ० रामानंद, निवासी ग्राम सोनपुरकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक के नाम पर ग्राम असोला में भूमि खसरा नंबर 212, 332, 403, 895/1 रकबा क्रमशः 0.057, 0.057, 0.089, 0.145 हे0 स्थित है, जो उसके निजी स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि है। आवेदक अपने निजी स्वामित्व की भूमि खसरा नंबर 403 रकबा 0.089 हे0 में से रकबा 0.021 हे0० को छ०ग० शासन को त्यजन करना चाहता है। आवेदक द्वारा अपने आवेदन के साथ भूमि त्यजन का निर्धारित प्रारूप-क (नियम 1) की प्रति संलग्न किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 17/08/2026 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 20/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

MAA KUDARGARHI GROUP
Maa Kudargarhi Stone Crusher Private Limited (CIN: U14298CT2019PTC009690)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि माँ कुदरगढ़ी स्टोन क्रशर प्रा०लि० (डायरेक्टर दिनेश कुमार गोयल) परियोजना साधारण पत्थर (गौण खनिज) खदान उत्खनन क्षमता 269500.7 टन प्रपि वर्ष को राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) छत्तीसगढ़ द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

स्वकृति की मुख्य जानकारी निम्नानुसार है

स्वीकृति पत्र क्र. EC25C0108CG5315703N/OL/EC/MIN/Balrampur/4712

स्वीकृति की तिथि 15/07/2026

परियोजना का स्थान- ख०नं०-182/3, 726 एवं 727 कुल क्षेत्रफल-2.81 हे० ग्राम बरवाही, तह० रामचन्द्रपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०)।

पर्यावरण स्वीकृति (Environment Clearance) पत्र की प्रतियां सचिवालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल (CECB) रायपुर में जनसाधारण के अवलोकन हेतु उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, इस स्वीकृति पत्र का विवरण भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के वेब पोर्टल parivesh.nic.in पर भी देखा जा सकता है।

स्थान: बलरामपुर-रामानुजगंज
दिनांकः 24/07/2026
वास्त, माँ कुदरगढ़ी स्टोन क्रशर प्रा०लि०

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमृत मण्डल आ०स्व०सुधीर मण्डल व अन्य निवासी ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग० के द्वारा के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 267/2, 267/5 रकबा 0.420, 0.180 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो से मृतक खातेदार सुधीर का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 05/08/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 14/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

भारत-रोमानिया प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने पर हुए सहमत

शिक्षा, संस्कृति और आपसी संपर्क से जुड़े क्षेत्रों में तीन समझौतों पर किए हस्ताक्षर

तीन वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने पर सहमत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रोमानिया के दौरे पर हैं। यह लगभग तीन दशकों में किसी भारतीय राष्ट्रपति की रोमानिया की पहली राजकीय यात्रा है। राष्ट्रपति मुर्मू ने रोमानिया के राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास और कार्यालय, कोटरोसेनी पैलेस का दौरा किया।

रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया तथा उनका औपचारिक स्वागत किया गया एवं गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। गुरुवार को प्रतिनिधिमंडल-स्तर की बातचीत के दौरान, दोनों नेताओं ने भारत-रोमानिया द्विपक्षीय साझेदारी के सभी प्रमुख आयामों पर चर्चा की। वे दोनों देशों के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने पर सहमत हुए।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत और रोमानिया के बीच सात दशकों से भी अधिक समय से गर्मजोशी भरी और चिरस्थायी मित्रता रही है। यह मित्रता आपसी विश्वास, सम्मान और दोनों देशों के लोगों के बीच घनिष्ठ संबंधों पर आधारित है।

समय बीतने के साथ-साथ हमारी साझेदारी निरंतर सुदृढ़ हुई है और अब यह अधिक बड़े लक्ष्यों, व्यापक सहयोग तथा भविष्य के लिए साझा दृष्टि के साथ एक नए चरण में प्रवेश कर रही है।

आर्थिक, व्यापार, निवेश प्राथमिकता वाले क्षेत्र चिह्नित | 2028 में दोनों देशों के बीच संबंधों के 80 वर्ष पूरे होंगे

रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन के साथ द्विपक्षीय बैठक करती राष्ट्रपति मुर्मू

व्यापार-निवेश और स्वच्छ ऊर्जा में सहयोग पर की चर्चा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में रोमानिया के पीएम इली बोलोजान से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में व्यापार, निवेश, स्वच्छ ऊर्जा, कनेक्टिविटी और नई तकनीक जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर जोर दिया गया।

राष्ट्रपति मुर्मू के साथ विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज भी मौजूद थे।

बिजनेस फोरम को संबोधित किया

राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत-रोमानिया बिजनेस फोरम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि रोमानिया यूरोप का एक महत्वपूर्ण संपर्क बिंदु है और अपनी रणनीतिक स्थिति, कुशल मानव संसाधन तथा यूरोपीय संघ के साथ मजबूत संबंधों के कारण भारत के लिए एक स्वाभाविक साझेदार है।

भारत का महत्वपूर्ण साझेदार है रोमानिया

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत-रोमानिया साझेदारी का एक महत्वपूर्ण आधार आर्थिक सहयोग है। दोनों नेता व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने, सशक्त एवं विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने, और दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों के बीच निकट सहयोग को प्रोत्साहित करने पर सहमत हुए। वे अगले तीन वर्षों में हमारे द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने की दिशा में काम करने पर भी सहमत हुए। उन्होंने कहा कि रोमानिया, यूरोपीय संघ में भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हमारे उद्योगों और कौशल-प्राप्त पेशेवरों के लिए अभूतपूर्व अवसरों के द्वार खोलेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच आपसी संपर्क भारत-रोमानिया संबंधों की मजबूत नींव हैं। आज इन क्षेत्रों से जुड़े तीन महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

भारतीय पीठ की स्थापना का ऐलान

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और रोमानिया, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत संयुक्त अनुसंधान और विकास को आगे बढ़ाएंगे। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के सहयोग से बुखारेस्ट विश्वविद्यालय में भारतीय अध्ययन पीठ की स्थापना की जा रही है। भारत सरकार ने भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के अंतर्गत रोमानिया के लिए प्रशिक्षण के अवसरों की संख्या दोगुनी करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2028 में भारत और रोमानिया के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 80 वर्ष पूरे होंगे। इस अवसर को दोनों देशों ने 'भारत-रोमानिया नवाचार वर्ष' के रूप में मनाने पर सहमति व्यक्त की है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

8 करोड़ में बनी 'ऑब्सेस्ड', 'बैकरूम्स' की कमाई देखकर हैरान हुए स्पीलबर्ग

हॉलीवुड निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग ने इन दिनों सिनेमाघरों में लगी फिल्मों 'ऑब्सेस्ड' और 'बैकरूम्स' की तारीफ की है। उन्हें यह बात अच्छी लगी है कि

कम बजट में बनीं फिल्में अच्छी कमाई कर रही हैं।हॉलीवुड के मशहूर निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग अक्सर नई फिल्में देखतें हैं। जो फिल्में उन्हें अच्छी लगती हैं उनकी तारीफ करते हैं। हाल ही में नई रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्में 'ऑब्सेस्ड' और 'बैकरूम्स' 79 साल के स्पीलबर्ग को बहुत पसंद आईं हैं। दोनों फिल्में कम बजट की हैं और अच्छी कमाई कर रही हैं। इसलिए उन्होंने दोनों फिल्मों की तारीफ की है।

हाल ही में फिल्म 'डिस्क्लोजर डे'की स्क्रीनिंग के दौरान, स्पीलबर्ग ने फिल्म के लिए रेड कार्पेट पर वॉक किया। यह फिल्म 12 जून को रिलीज हुई। 'पॉप ड्रॉप' के साथ बातचीत में स्पीलबर्ग ने 'ऑब्सेशन' और 'बैकरूम्स' के बारे में कहा 'मैं उनके लिए बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि यह बहुत शानदार है।' उन्होंने जोश के साथ कहा, 'मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छी बात है कि उनके पास बहुत कम पैसे थे- खासकर 'ऑब्सेशन' का बजट 1 मिलियन डॉलर (लगभग 8 करोड़ रुपये) से भी कम था और दूसरी फिल्म का बजट शायद नौ या दस मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) था। फिर भी वे इतना अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। मैं उनकी तारीफ करता हूं।' उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक 'बैकरूम्स' नहीं देखी है, लेकिन भागदौड़ खत्म होने के बाद इसे जरूर देखेंगे। उन्होंने आगे कहा, 'मैंने 'ऑब्सेशन' देखी है और मुझे वह बहुत पसंद आई।'

टॉलीवुड

केक काटते विजय को निहारती दिखीं तृषा अलगाव की अटकलों पर लगाया विराम

तृषा कृष्णनन की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने उन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया, जिनमें

कहा जा रहा था कि उनके और विजय के रिश्ते में दूरी आ गई है। तृषा ने देर से ही सही लेकिन मंगलवार शाम विजय के जन्मदिन पर एक प्यार भरी पोस्ट साझा की है।

एक दिन बाद तृषा कृष्णनन ने अपने करीबी दोस्त और तमिलनाडु के नए सीएम विजय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। इस पोस्ट के साथ एक क्यूट मैसेज भी लिखा है। इस पोस्ट पर फैंस ने भी रिएक्शन दिए हैं। साथ ही विजय और तृषा के बीच बढ़ती दूरियों की अटकलों पर भी इस पोस्ट ने विराम लगा दिया। तृषा के साथ विजय तस्वीर में नजर आ रहे हैं, वह अपने जन्मदिन का केक काट रहे हैं। तृषा उन्हें प्यार से निहार रहे हैं। अपने इंस्टाग्राम पेज पर यह तस्वीर साझा करने के साथ तृषा ने कैप्शन में लिखा है, 'उस इंसान को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। जिसकी वजह से सब कुछ इतना खास लगता है।' आगे तृषा ने हार्ट और नजर न लगने वाला इमोजी बनाया है। बता दें कि तृषा हर साल विजय को जन्मदिन की शुभकामनाएं सोशल मीडिया पर देती थीं। लेकिन इस साल ऐसा नहीं हुआ। जन्मदिन वाले दिन तृषा ने विजय के लिए कोई पोस्ट नहीं की। हां, एक दिन बाद पोस्ट कर दी है। लेकिन जब तक तृषा की पोस्ट सामने नहीं आई थी तो फैंस को लगा कि इनके रिश्ते में दूरी आ गई है। साथ ही कुछ फैंस ने तृषा के इंस्टाग्राम पर देखा कि उन्होंने विजय को फॉलो भी नहीं किया हुआ था। इससे फैंस ने अंदाजा लगा लिया कि तृषा ने विजय को अनफॉलो कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार विजय थलापति और तृषा कृष्णनन काफी करीबी हैं। दोनों के रिलेशनशिप में होने की अटकलें सुनने को मिलती हैं।

भोजपुरी

समर का 'दिल परेशान' हुआ रिलीज़ दिलों को छू गया दर्द भरा यह गाना

भोजपुरी सुपरस्टार समर सिंह का नया गाना 'दिल परेशान' रिलीज़ होते ही दर्शकों के बीच छा गया है। समर सिंह की अदाकारी और सुरों की गहराई ने इस गाने को हर दिल अजीज बना दिया है। समर सिंह का नया गाने आते ही छाया भोजपुरी म्यूज़िक इंडस्ट्री के फेमस स्टार समर सिंह का नया इमोशनल सॉन्ग ₹दिल परेशान₹ हाल ही में भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर

रिलीज़ होते ही वायरल हो गया है। यह गाना टूटे दिलों की पीड़ा, मोहब्बत की तड़प और रिश्तों की उलझन को बेहद भावुक अंदाज़ में पेश करता है, जिसे दर्शकों और श्रोताओं से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। गाने की रिलीज पर समर सिंह ने कहा, ₹दिल परेशान मेरे दिल के बहुत करीब है। ये सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि उन सभी लोगों की आवाज़ है जिनका दिल टूट चुका है, जिन्होंने प्यार में दर्द सहा है। मैंने कोशिश की है कि अपनी आवाज़ से उन भावनाओं को जीवंत कर सकूं। मुझे खुशी है कि लोग इस गाने से जुड़ पा रहे हैं।₹

इस गीत को समर सिंह ने अपनी दमदार और दर्दभरी आवाज़ से सजाया है, वहीं स्क्रीन पर उनके साथ शिल्पी राघवानी की शानदार परफॉर्मेंस ने भावनाओं को और गहराई दी है। गाने के गीतकार गौतम राय ने जज़्बातों को शब्दों में पिरोया है, जबकि संगीतकार रोशन सिंह ने दर्द और मेलोडी का ऐसा संगम रचा है जो श्रोताओं के दिल को छू जाता है। वीडियो डायरेक्शन की जिम्मेदारी वेंकट महेश ने निभाई है, जिन्होंने हर एक दृश्य को भावनाओं के अनुरूप पेश किया है। गाने की कोरियोग्राफी विक्की फ्रांसिस, और क्रिएटिव डायरेक्शन नितेश सिंह के मार्गदर्शन में तैयार की गई है।

वर्ल्ड ट्रेंड्स

लाइफ स्टाइल

2026 के लिए दुनिया भर में फ़ैशन ट्रेंड्स में सादगी और आराम के साथ एलिगेंस को बढ़ावा मिल रहा है। अभ मज़ेदार रेट्रो मैक्सिमलिज़्म और पूरी तरह से अपनी पसंद के हिसाब से स्टाइलिंग की जा रही है। यह ट्रें ड रोज़मर्रा के आरामदायक कपड़ों को ऐसी चीज़ों के साथ मिलाता है जो आपकी पर्सनैलिटी को खुलकर ज़ाहिर करती हैं।

गुलाबी होंठों की दुश्मन हैं आपकी ये आदतें,इन्हें आज ही छोड़ दें

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने में गुलाबी होंठों का काफी योगदान होता है। इसकी वजह से चेहरा देखने में बेहद खूबसूरत लगता है। पर, कई बार होंठों का रंग बदलकर अपने आप ही काला होने लगता है, जिससे चेहरा भी अजीब दिखता है। होंठों के रंग बदलने के बाद उसपर अगर लिपस्टिक भी लगाई जाए तो भी लुक परफेक्ट नहीं आता। यदि आपके साथ भी ये दिक्कत है तो आपको संभलने की जरूरत है। ज्यादातर लोगों के होंठों का रंग बदलने का कारण उनकी खुद की कुछ आदतें होती हैं। यहां आपको जानना चाहिए कि कौन सी वो तीन आदतें हैं, जो आपके होंठों की दुश्मन हैं।

बार-बार होंठों को चबाना

अगर आपकी आदत बार-बार अपने होंठों को चबाने की है, या फिर आप बार-बार अपना होंठ चाटते हैं तो इससे उनकी ड्राईनेस बढ़ जाती है। तब होंठ ज्यादा रूखे हो जाते हैं तो वो फटते भी ज्यादा हैं। इसके बाद उनका रंग गुलाबी से बदलकर धीरे-धीरे काला होने लगता है। तो

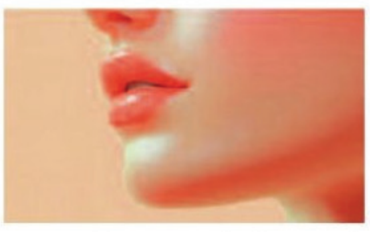

अगर आप भी बार-बार अपने होंठों को चाटते हैं, या चबाते हैं तो ये आदत आज ही छोड़ दीजिए।

खराब क्वालिटी के प्रोडक्ट इस्तेमाल करना

बाजार में आज-कल 10 रुपये में भी लिप बाम बड़ी आसानी से मिल जाता है। ये लिप बाम भले ही आपके होंठों को मुलायम बना देते हैं, लेकिन इनके इस्तेमाल से होंठों की आंतरिक और बाहरी तरह को काफी नुकसान पहुंचता है। इसलिए चाहे लिप बाम हो या फिर लिपस्टिक, उसकी क्वालिटी का खास ध्यान रखें, ताकि इसका असर आपके होंठों पर न हो।

अल्ट्रा वायलेट किरणों से बचाकर न रखना

जो अच्छे क्वालिटी के लिप बाम आते हैं, उनमें सनस्क्रीन वाले तत्व पाए जाते हैं। ये तत्व आपके होंठों को यूवी किरणों से बचाकर रखते हैं। अगर आप सनस्क्रीन युक्त लिप बाम इस्तेमाल नहीं करेंगे तो इससे भी आपके होंठों का कालापन बढ़ता चला जाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि अल्ट्रा वायलेट किरणें होंठों की स्किन को डैमेज करती हैं और उनका रंग गहरा कर देती हैं।

ऐसे बरकरार रखें होंठों का गुलाबी रंग

य़दि आप आसान विधि से अपने होंठों का गुलाबी रंग बरकरार रखना चाहते हैं या फिर होंठों का कालापन दूर करना चाहते हैं तो गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल करें। इसके इस्तेमाल के लिए आपको गुलाब की पंखुड़ियों को पीसकर उसमें दूध मिलाकर होंठों पर लगाना है।

लिनन पैंट्स का क्रेज, स्टाइलिश दिखने के साथ देगा कंफर्ट लुक

एक जैसे आउटफिट पहनने की बजाय अब आप इस तरह की खूबसूरत लिनन पैंट्स को ट्राई कर सकती हैं। ऐसी पैंट्स इन दिनों महिलाओं के बीच काफी चर्चा में है। इन दिनों अधिकतर लड़कियों के बीच लिनन पैंट्स का क्रेज बहुत ज्यादा बढ़ गया है। ऐसे में अधिकतर लड़कियां ऑफिस हो या कॉलेज हर जगह इस तरह की पेंट पहनना बहुत पसंद कर रही है। अगर आप भी फैशन की दुनिया में कुछ यूनिक और नया ट्राई करने का सोच रही है, तो इस तरह की लिनन पैंट्स को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की पैंट में आप न सिर्फ स्टाइलिश लुक क्रिएट कर सकती हैं, बल्कि यह आपको आरामदायक लुक देने में भी बेहद मदद करेगा।

लिनन वाइड लेग पैंट

अगर आप ऑफिस में एक जैसे कपड़े पहनकर जा रही हैं और कुछ यूनिक ट्राई करना चाहती हैं, तो अब इस तरह की ओलिव कॉटन लिनन वाइड लेग पैंट को ड्राई कर सकती हैं। ऐसी पैंट आपको कंफर्ट लुक देने में भी बहुत मदद करेगी। इसके साथ आप क्रॉप टॉप और जैकेट भी शामिल कर सकती हैं।

लिनन रेगुलर फिट पैंट

फैशन की दुनिया में भीड़ से हटकर दिखने के लिए आप भी अपने आउटफिट में बदलाव करना चाहती है, तो आप इस खूबसूरत लिनन रेगुलर फिट पैंट को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की पेंट भी इन दोनों बहुत चर्चा में है। इस तरह की पैंट में आपको और भी कई कलर मिल जाएंगे। ऐसी पैंट आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल सकती है।

खाकी लिनन रेगुलर फिट पैंट

आप चाहे तो अपने किसी भी क्रॉप टॉप या शर्ट के साथ इस तरह की खूबसूरत खाकी लिनन रेगुलर फिट पैंट को ट्राई कर सकती हैं।

काले घेरों से बचने अपनाएं ग्लिसरीन का खास उपाय

अगर आप भी अपनी आंखों के नीचे होने वाले डार्क सर्कल्स को कम करना चाहती हैं, तो इस खास घरेलू नुस्खे को आजमा सकती हैं। आंखों के नीचे होने वाले काले घेरे यानी डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए आप ग्लिसरीन का इस्तेमाल कर सकती है। ग्लिसरीन आपकी आंखों के नीचे होने वाले डार्क

सर्कल्स को कम करने में लाभदायक हो सकता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए आप सबसे पहले आलू को कद्दूकस कर उसका रस अलग कर ले। इस रस में थोड़ा ग्लिसरीन और कुछ बूंद नींबू की ऐड कर दें। अब इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में या किसी छोटी डिब्बी में भरकर रखें।

इन बातों का रखें ध्यान

अब आपका मिश्रण बनकर तैयार हो गया है आप रोजाना रात में सोने से पहले इसे अपनी आंखों के नीचे लगाकर सो सकती है। लेकिन ध्यान रहे जब भी आप डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए इस मिश्रण का इस्तेमाल करें, तो अपनी आंखों का जरूर ध्यान रखें। क्योंकि अगर गलती से यह मिश्रण आंखों में चला गया तो इससे आपको दूसरी परेशानी हो सकती है। आप इस मिश्रण का रोजाना रात में सोने से पहले इस्तेमाल कर सकती हैं। आप चाहे तो इसे सुबह-सुबह भी आंखों के नीचे लगा सकती हैं। किसी भी चीज का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें, क्योंकि कुछ लड़कियों की स्किन पर इससे रिएक्शन हो सकता हैं।

ट्रेंडिंग इयररिंग डिजाइन बनाएंगे आपको खूबसूरत

अगर आप भी अपने ऑफिस लुक को सबसे यूनिक और अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं, तो आज हम आपको कुछ ऐसे ट्रेंडिंग इयररिंग डिजाइन बताएंगे, जिसे आप अपने ऑफिस में पहनकर जा सकती हैं।

गोल्डन हेलो इयररिंग्स

कुछ महिलाओं के लिए ऑउटफिट के हिसाब से सही एक्सेसरीज चुनना एक मुश्किल काम हो सकता है, ऐसे में अब आप अपने ऑफिस में कैसुअल लुक को खास बनाने के लिए इस तरह के खूबसूरत गोल्डन हेलो इयररिंग्स आपके लिए बेस्ट हो सकते हैं। इन्हें आप अपने किसी भी ऑउटफिट के साथ ट्राई कर सकती हैं।

पर्ल परफेक्शन इयररिंग्स

अगर आप अपने फॉर्मल लुक में कुछ बदलाव करना चाहती हैं और अपने लुक को गॉर्जियस बनाना चाहती हैं, तो अब आप इस तरह के खूबसूरत पर्ल परफेक्शन इयररिंग्स ट्राई कर सकती हैं। इसे पहनकर आप न सिर्फ अपने लुक को खूबसूरत बना सकती हैं बल्कि यह आपकी खूबसूरती में भी चार चांद लगा देगा। ऐसे इयररिंग आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल जाएंगे।

ट्रॉपिकल ग्लोरी गोल्ड इयररिंग

इसके अलावा आप इस तरह के खूबसूरत ट्रॉपिकल ग्लोरी गोल्ड इयररिंग को ट्राई कर सकती हैं। ऐसे इयररिंग्स क्लासिक और सदाबहार होते हैं। ऑफिस लुक को खास बनाने के लिए आप इस तरह के इयररिंग को चुन सकती हैं। ऐसे इयररिंग आप किसी भी तरह के ऑउटफिट के साथ पहन सकती हैं। इसमें आप बेहद खूबसूरत लगेंगी। इसके अलावा आप ऑफिस वियर में मॉडर्न और सोफिस्टिकेटेड लुक क्रिएट करने के लिए इस तरह के खूबसूरत ब्लश लग्जरी गोल्ड इयररिंग को ट्राई कर सकती हैं। ऐसे इयररिंग आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने के साथ-साथ आपके लुक को एलिगेंट टच देने में भी बेहद मदद करेगा।

कार्नर न्यूज

कम उम्र में ही पुरुष गंजेपन के शिकार हो रहे, दुनिया भर में बढ़ रही तादाद

हेयर फॉल से परेशान लोगों को जानना चाहिए डीएचटी ब्लॉकर्स को, रुक सकती है परेशानी

दुनिया के तमाम देशों में कम उम्र में ही कई पुरुष गंजेपन के शिकार हो रहे हैं। एजुकेशन और करियर में बेस्ट देने वाले लोग भी बालों की समस्या के कारण लुक के मोर्चे पर मात खा रहे हैं। हेयर फॉल की समस्या न सिर्फ उनके लुक को प्रभावित करती है बल्कि मन में हीनता की भावना भी लाती है। हेयर फॉल या बालों के झड़ने की समस्या कई वजहों से होती है। इनमें खराब हेयर केयर, प्रदूषण, खराब लाइफस्टाइल से लेकर अनुवांशिक कारणों और टेस्टोस्टेरोन तक का बड़ा योगदान होता है।

आमतौर पर लोग टेस्टोस्टेरोन को केवल यौन शक्ति या सेक्स पावर बढ़ाने वाली चीज से ही जोड़कर देखते हैं। लेकिन पुरुषों की लाइफ में टेस्टोस्टेरोन का योगदान इससे कहीं बढ़कर है। ये आपके बालों की ग्रोथ और हेल्थ को तय करने वाला अहम फैक्टर है, जिसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए।

कुछ लोग मानते हैं कि, बॉडी बिल्डिंग करने या मसल्स गेन करने पर टेस्टोस्टेरोन का लेवल हाई होता है जिसकी वजह से बाल झड़ जाते

हैं। ये पूरा सच नहीं है। इसमें डाइट और स्ट्रेस जैसे फैक्टर्स भी हैं, जो हेयर ग्रोथ और हेयर लॉस दोनों को बड़े पैमाने पर प्रभावित करते हैं।

जब भी हेयर लॉस की चर्चा होती है तो, डीएचटी का नाम भी लिया जाता है। डॉक्टर और डर्मेटोलॉजिस्ट भी अपने मरीजों से अक्सर डीएचटी सेंसेटिविटी की चर्चा करते हैं। इसे हेयर फॉल की सीरियस मामलों और मेल पैटर्न बाल्डनेस जैसी समस्याओं की मुख्य वजह भी माना जाता है। इसलिए आपको जानना चाहिए कि, डीएचटी ब्लॉकर्स और डीएचटी सेंसिटिविटी क्या है? इसके अलावा, हेयर फॉल की समस्या में डीएचटी ब्लॉकर्स और सेंसिटिविटी का क्या योगदान है?

डीएचटी या डाइहाइड्रोटेस्टोस्टेरोन एक बहुत ही महत्वपूर्ण मेल हार्मोन है। जिसका सीधा असर बियर्ड और बालों की ग्रोथ पर पड़ता है। यही वो फैक्टर है, जिससे हमारी यौन क्षमता और आवाज का भारीपन या बेस भी तय होता है। लेकिन अगर डीएचटी की सेंसिटिविटी कम हो जाए तो भी समस्याएं होती हैं और अगर ये आवश्यकता से अधिक एक्टिव हो जाए तो भी कई तरह की समस्याएं शुरू हो जाती हैं। पहले ये जानते हैं कि, डीएचटी ब्लॉकर्स आखिर हैं क्या?

डीएचटी क्या है?

डीएचटी (डीएचटी) या डाइहाइड्रोटेस्टोस्टेरोन एक एंड्रोजेन है। ये शरीर में पुरुषत्व की पहचान मानी जानी वाली चीजों के लिए जिम्मेदार होता है। इन चीजों में सिर के बाल, दाढ़ी, बॉडी हेयर आदि शामिल हैं। इसकी वजह से अंडकोष में वीर्य बनता है और आवाज में भारीपन आता है। किसी इंसान में जितना ज्यादा डीएचटी मौजूद होगा, पूरे शरीर में बाल उतने ही ज्यादा होंगे। ज्यादा डीएचटी का प्रभाव दाढ़ी के घनेपन पर भी पड़ता है। हाई डीएचटी लेवल वाले पुरुषों की दाढ़ी ज्यादा घनी और भरावदार होती है। लेकिन ज्यादा डीएचटी लेवल का मतलब ये भी है कि, हेयर फॉल भी ज्यादा होगा।

हाई डीएचटी लेवल से क्या होता है?

हाई डीएचटी लेवल से हेयर फॉल इसलिए होता है क्योंकि, डीएचटी में हेयर फॉलिकल्स या बाल की जड़ों को संकुचित करने या सिकुड़ने का गुण पाया जाता है। ये स्कैल्प में बाल की जड़ों के पास पाए जाने वाले रिसेप्टर्स को संकुचित कर देता है। रिसेप्टर्स के संकुचित हो जाने के कारण बाल की जड़ों तक पोषक तत्व का पहुंचना कम हो जाता है। डीएचटी लेवल के ज्यादा बढ़ने पर ये बंद भी हो सकता है। इसकी वजह से हेयर फॉल की समस्या शुरू हो जाती है।

उफनती नदी पर रकसगंडा जलप्रपात का अद्भुत नजारा देखने उमड़ रही भीड़

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध रकसगंडा जलप्रपात इन दिनों मानसून की बारिश के बाद अपने सबसे मनमोहक और रौद्र स्वरूप में दिखाई दे रहा है। रेड नदी का उफनता पानी विशाल चट्टानों से सैकड़ों धाराओं में नीचे गिरकर ऐसा प्राकृतिक दृश्य बना रहा है, जिसे देखने के लिए प्रतिदिन हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। दूर-दूर तक उठती पानी की फुहारें, चट्टानों से टकराकर गूंजती जलधारा की गर्जना और चारों ओर फैली हरियाली पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर रही है।

बरसात शुरू होते ही रकसगंडा जलप्रपात पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन गया है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के अलावा मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और झारखंड से भी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं। छुट्टियों और सप्ताहांत में पर्यटकों की संख्या और अधिक बढ़ जाती है। लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने पहुंच रहे हैं तथा सोशल मीडिया के लिए फोटो और वीडियो भी बना रहे हैं।

लेकिन इस खूबसूरत नजारे के पीछे एक गंभीर खतरा भी छिपा हुआ है। लगातार बारिश के कारण जलप्रपात के आसपास की चट्टानें बेहद फिसलन भरी हो चुकी हैं। रेड नदी का तेज बहाव और बढ़ा हुआ जलस्तर किसी भी छोटी सी लापरवाही को बड़े हादसे में बदल सकता है। इसके बावजूद कई पर्यटक सुरक्षा की अनदेखी करते हुए जलप्रपात के किनारों तक पहुंच रहे हैं। कुछ लोग सेल्फी लेने और वीडियो बनाने के लिए खतरनाक चट्टानों पर चढ़ते नजर आते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के मौसम में यहां पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ती है, लेकिन सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने से चिंता बनी रहती है। कई स्थानों पर सुरक्षा बैरिकेड, चेतावनी बोर्ड और निगरानी व्यवस्था की आवश्यकता महसूस की जा रही है। यदि समय रहते सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं की गई तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

पर्यटन की अपार संभावनाओं से भरपूर जलप्रपात

प्राकृतिक धरोहर होने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का भी महत्वपूर्ण माध्यम बनता जा रहा है। बारिश के मौसम में यहां छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और स्थानीय युवाओं को भी रोजगार मिलता है। ऐसे में पर्यटन को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन की सक्रिय भूमिका आवश्यक मानी जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जलप्रपात क्षेत्र में पुलिस की तैनाती की जाए, खतरनाक स्थानों पर बैरिकेडिंग कर पर्यटकों की आवाजाही नियंत्रित की जाए तथा लगातार माइक से सुरक्षा संबंधी घोषणाएं कर लोगों को सतर्क किया जाए। प्रकृति का यह अनुपम उपहार हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है, लेकिन थोड़ी सी लापरवाही जिंदगी पर भारी पड़ सकती है। ऐसे में रकसगंडा जलप्रपात की खूबसूरती का आनंद लें, पर सुरक्षा नियमों का पालन करना भी उतना ही जरूरी है।

विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर' एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से जुड़ने दिया गया संदेश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सेजस बसदेई में शनिवार को वरिष्ठ नागरिक संघ एवं अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के तत्वावधान में फलदार, छायादार एवं बागवानी से संबंधित पौधों का वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, विद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ नागरिक संघ एवं अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक संचालक शिक्षा अजय सिंह ने शासन की महत्वाकांक्षी पहल 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को अपने विद्यालय एवं आसपास के क्षेत्र को हरित बनाने के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण करने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं वरिष्ठ नागरिक संघ के पदाधिकारी अनिल गोयल, एस.के. तिवारी, पवन कुमार सिंह, आर.एस. मिश्र, एस.एल. भारती, विश्वनाथ साहू सहित विद्यालय के प्राचार्य रामचंद्र सोनी, शिक्षक शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे। इस दौरान विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई।

युवाओं के भविष्य की रक्षा हेतु केंद्र सरकार उठा रही ठोस कदम, विपक्ष कर रहा राजनीति : भूलन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दे पर केंद्र सरकार की पहल का समर्थन करते हुए प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह ने कांग्रेस और इण्डी गठबंधन के दलों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए गंभीर और प्रभावी कदम उठा रही है, जबकि विपक्ष इस मुद्दे पर केवल राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रहा है।

श्री मरावी ने जारी बयान में कहा कि नीट परीक्षा में अनियमितताओं के मामलों को लेकर केंद्र सरकार दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए फास्ट ट्रैक अदालतों की व्यवस्था, दोषियों के खिलाफ कठोर दंड तथा आवश्यक कानूनी प्रावधानों की दिशा में सरकार कार्य कर रही है। इससे स्पष्ट है कि केंद्र सरकार छात्रों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। श्री मरावी ने कहा कि सरकार के सकारात्मक रुख के बाद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा अनशन समाप्त किया जाना इस बात का संकेत है कि केंद्र सरकार संवाद और समाधान की नीति पर आगे बढ़ रही है। इसके विपरीत कांग्रेस और इण्डी गठबंधन के दल इस पूरे मुद्दे को राजनीतिक रंग देकर छात्रों की भावनाओं का लाभ उठाने का प्रयास कर रहे थे।

देश का युवा जागरूक है और वह भली-भांति समझता है कि कौन उसके भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए कार्य कर रहा है और कौन केवल राजनीतिक स्वार्थ साधने में जुटा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता बनाए रखने और युवाओं के हितों की रक्षा के लिए आगे भी कठोर कदम उठाती रहेगी तथा दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा अभियान कार्यक्रम का हुआ सफल आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा शुक्रवार को सूरजपुर स्थित आदित्य होटल में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत भव्य ऋण वितरण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया था । यह कार्यक्रम 01 जुलाई से 24 जुलाई तक देशभर में चलाए गए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा अभियान अंतर्गत आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूरजपुर श्री मनीष गायकवाड़ रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रेमनगर श्री अनिल सोनवानी तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र (डीआईसी) के प्रबंधक श्री जयसिंह राज एवं श्री अवधेश कुशवाहा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जोनल प्रमुख श्री राकेश भूतड़ा, क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजेश कुमार तथा अग्रणी जिला प्रबंधक श्री संदीप कुमार सहित अंबिकापुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सभी शाखाओं ने भाग लिया, जबकि सूरजपुर जिले की 10 शाखाओं के शाखा प्रबंधकों ने विशेष रूप से सक्रिय भूमिका निभाई। सभी शाखाओं के समन्वित प्रयासों से अभियान को सफल बनाया गया तथा अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक योजना का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की विस्तृत जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इस अभियान के दौरान लगभग 251 हितग्राहियों ने योजना का लाभ प्राप्त किया।

यह योजना पारंपरिक कारीगरों एवं शिल्पकारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा उन्हें स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा संचालित एक महत्वाकांक्षी योजना है।

बैंक अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा भविष्य में भी पात्र हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभान्वित करने हेतु विशेष अभियान आयोजित करता रहेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं उपस्थित हितग्राहियों का आभार व्यक्त किया गया।

पे-डेटा ट्रांसफर के बदले एक लाख की रिश्वत लेते सिविल सर्जन गिरफ्तार

सक्ती, एजेंसी। पे-डेटा तैयार कर सीएमएचओ कार्यालय भेजने के एवज में एक लाख रुपये की रिश्वत लेते सक्ती जिला अस्पताल के प्रभारी सिविल सर्जन संतोष कुमार पटेल को एंटी करप्शन ब्यूरो बिलासपुर की टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

आरोपी के खिलाफ धारा 7, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, जिला अस्पताल सक्ती में अटैचमेंट पर कार्यरत फार्मासिस्ट ग्रेड-2 गंगा प्रसाद रत्नाकर ने एसीबी बिलासपुर में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उनकी मूल पदस्थापना सीएमएचओ कार्यालय पोरथा में है और फरवरी 2026 से वे जिला अस्पताल सक्ती में अटैचमेंट पर सेवाएं दे रहे हैं।

बैगलेस डे पर जिले के 5 सौ विद्यालयों में हुई हरियाली की नई शुरुआत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शनिवार को बैगलेस डे पर जिले के 5 सौ प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में पोषण वाटिका निर्माण अभियान उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कलेक्टर श्रीमती रैना जमील एवं जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन तथा जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती लता बेक व जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू के निर्देशन में यूथ व इको क्लब के विद्यार्थियों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने मिलकर बीजारोपण, निदाई-गुड़ाई एवं घेरवा निर्माण का कार्य पूर्ण किया। इसका लक्ष्य मौसमी सब्जियों को सीधे मध्यान्ह भोजन की थाली तक पहुंचाना है। इसी क्रम में जिले के सभी विकासखंडों के चुनिंदा स्कूलों में सामुदायिक सहभोज भी आयोजित हुआ।

पोषण वाटिका निर्माण से मध्यान्ह भोजन को मिलेगी ताजगी

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत यह दो रूपों में होता है। आंशिक, जिसमें ग्रामीण अंकुरित अनाज, फल या मिठाई का योगदान देते हैं, और पूर्ण, जिसमें दाल-चावल-सब्जी सहित संपूर्ण भोजन समुदाय द्वारा वहन किया जाता है। जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ या पर्व-त्योहार पर लोग अपने निकटवर्ती विद्यालय को चुनकर यह पहल कर सकते हैं, जिससे बच्चों को अतिरिक्त पोषण मिलने के साथ स्कूल और गांव का रिश्ता और प्रगाढ़ होता है। प्रतापपुर, रामानुजनगर, प्रेमनगर, भैयाथान, ओड़गी सहित सभी विकासखंडों के दर्जनभर से अधिक विद्यालयों में सरपंच, पंचायत प्रतिनिधियों व एसएमसी सदस्यों की उपस्थिति में यह आयोजन हुआ। पूरे अभियान की निगरानी सहायक संचालक शिक्षा अजय सिंह सहित शिक्षा विभाग की पूरी टीम ने की।

प्रारूप-एक

(नियम 11 देखिए)

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, छत्तसीगढ़ शासन

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

प्रकरण क्रमांक-202606260400009/अ-82/2025-26 दिनांक 15.07.2026

भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4 सहपठित नियम 7 के अन्तर्गत नीचे अनुसूची में उल्लिखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात :-

जिला	तहसील	ग्राम/नगर	क्षेत्रफल	लोक प्रयोजन का विवरण
सूरजपुर	भैयाथान	बीरमताल	0.092	उमेशपुर बीरमताल मार्ग में गोबरी नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य

उपरोक्त उल्लिखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई दिनांक 19.08.2026 को समय पूर्वान्ह 12.00 बजे स्थान ग्राम पंचायत भवन बीरमताल में नियत की गयी है। प्रस्तावित भूमि अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार है :-

(एक)	लोक प्रयोजन, का संक्षिप्त विवरण।	उमेशपुर बीरमताल मार्ग में गोबरी नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य
(दो)	प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या।	03
(तीन)	अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित की संख्या।	03
(चार)	प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या।	निरंक
(पांच)	प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकान तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या।	निरंक
(छः)	क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है?	हां
(सात)	क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है ?	हां
(आठ)	परियोजना की कुल लागत।	30719000.00
(नौ)	परियोजना से होने वाले लाभ।	जिला/ब्लाक मुख्यालय/अस्पताल एवं हाट बाजार आने जाने का साधन उपलब्ध होने से कृषक एवं व्यापारियों और सभी वर्ग के जनमानस के आय में वृद्धि होगी।
(दस)	प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिए उपाय तथा इस पर होने वाला संभावित व्यय।	संस्थान द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा।
(11)	परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक	निरंक

उपरोक्त भूमि अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी/सुझाव देना हो तो विहित तिथि/समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

अ.वि.अ. (रा.)
एवं भू-अर्जन अधिकारी
भैयाथान, जिला सूरजपुर

कलेक्टर
जिला सूरजपुर

जी-262702353/1

बागवानी फसलों के लिए मौसम आधारित फसल बीमा योजना संचालित, जोखिम से फसलों को मिलेगी आर्थिक सुरक्षा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ मौसम में उत्पादित होने वाली बागवानी फसलों को बेमौसम से होने वाले नुकसान से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत किसान अपनी फसलों का बीमा आगामी 31 जुलाई 2026 तक करा सकते हैं।

सहायक संचालक उद्यान अधिकारी ने बताया कि योजना के तहत टमाटर, बैंगन, मिर्च, अदरक, केला, पपीता एवं अमरूद सहित कुल सात अधिसूचित बागवानी फसलों को शामिल किया गया है। बेमौसम वर्षा, कम अथवा अधिक वर्षा, तापमान में असामान्य परिवर्तन, तेज हवा, आर्द्रता तथा अनुकूल मौसम के कारण होने वाले कीट एवं व्याधि प्रकोप जैसी परिस्थितियों से होने वाले नुकसान की भरपाई योजना के माध्यम से की जाएगी।

उन्होंने जानकारी दी है कि इस योजना में मुआवजे का निर्धारण मौसम के वैज्ञानिक आंकड़ों के आधार पर किया जाता है। योजना के तहत ऋणि कृषक तथा अऋणि कृषक लाभ ले सकते हैं कृषकों को बीमा कराने हेतु फसलों के अनुसार निर्धारित ऋण मां का 5 प्रतिशत प्रीमियम राशि कृषक अंश के रूप में जमा करना होता है

योजना के अंतर्गत टमाटर के लिए 1.20 लाख रुपये (कृषक प्रीमियम 6,000 रुपये), बैंगन 77 हजार रुपये (3,850 रुपये), मिर्च 68 हजार रुपये (3,400 रुपये), अदरक 1.50 लाख रुपये (7,500 रुपये), केला 85 हजार रुपये (4,250 रुपये), पपीता 87 हजार रुपये (4,350 रुपये) तथा अमरूद 45 हजार रुपये (2,250 रुपये) प्रति हेक्टेयर बीमित राशि निर्धारित की गई है। किसान निर्धारित प्रीमियम राशि जमा कर अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा कर योजना का लाभ ले सकते हैं। योजना का लाभ लेने हेतु समय पर पंजीयन किया जाना आवश्यक है बीमा आवेदन की अंतिम तिथि खरीफ मौसम के लिए 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है।बीमा के लिए किसान ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। लोक सेवा केंद्र तथा एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया के अधिकृत प्रतिनिधियों सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा मो न.(6266461767) से बीमा करवा सकते है। एवं विकासखंडस्तर पर बलरामपुर के लिए पलिस राम मो न.(9165507130), रामचंद्रपुर के लिए राहुल पैंकरा मो न.(7415007531), वाड्रफनगर के लिए प्रिया पटवा मो न.(9584515370), राजपुर के लिए रामदेव राम मो न.(9340217036), शंकरगढ़ के लिए नारायण साहू मो न.(700097497), कुसमी के लिए दुर्गाप्रसाद मिश्रा मो न.(9303447557)से संपर्क कर योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त कर बीमा का लाभ ले सकते है।

सहायक संचालक उद्यान श्री कमलेश कुमार साहू ने किसानों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते अपनी फसलों का बीमा कराएं। बीमा संबंधी अधिक जानकारी के लिए किसान निकटस्थ लोक सेवा केंद्र, एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया के अधिकृत प्रतिनिधियों अथवा संबंधित विकासखंड के उद्यान विभाग कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

मेडिकल-इंजीनियरिंग की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को स्कूलों में ही मिलेगी ऑनलाइन क्लास की सुविधा

कलेक्टर ने आगामी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम के लिए प्रारंभ से ही प्रभावी कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर जिले में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षा व्यवस्था तथा विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा, सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो चुकी है, इसलिए प्रारंभ से ही सुनियोजित कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए, ताकि जिले के प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके और आगामी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि, विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए प्रत्येक स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग की जाए और पढ़ाई से संबंधित गतिविधियों की सतत समीक्षा सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि, ऐसे छात्र-छात्राएं जो मेडिकल एवं इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करना चाहते हैं, ऐसे कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों को जिले के सभी हायर सेकेंडरी विद्यालयों में ऑनलाइन क्लासेस की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं विद्यालय प्राचार्यों को निर्देश दिया कि प्रत्येक विद्यालय में इंटरनेट कनेक्टिविटी, पृथक कक्ष, बड़ी स्क्रीन सहित सभी आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन मार्गदर्शन प्राप्त हो सके कलेक्टर ने भवन एवं विद्युत विहीन विद्यालयों की जानकारी लेते हुए उनकी सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यक कार्रवाई कर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने विद्यालयों में पाठ्य पुस्तकों एवं गणवेश की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए सभी पात्र विद्यार्थियों को समय पर पर्याप्त संख्या में वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्यालयों में स्थापित न्यूज डेस्क की जानकारी लेते हुए कहा कि विद्यार्थियों में समाचार पत्र पढ़ने की आदत विकसित की जाए, जिससे उनमें सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक विषयों की समझ बढ़े।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों के अपार आईडी निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन विद्यार्थियों का जन्म प्रमाण पत्र बन चुका है, उनका आधार कार्ड शीघ्र बनवाया जाए। संबंधित विभागों के समन्वय से प्रमाण पत्र निर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाया जाए। कलेक्टर ने शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं परिणाम मुखी बनाने, विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी तथा सभी विद्यालयों में आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के लिए विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

नीट/जेईई के विद्यार्थियों से लें फीडबैक-कलेक्टर ने रायपुर में नीट एवं जेईई की तैयारी कर रहे जिले के विद्यार्थियों की नियमित मॉनिटरिंग एवं फीडबैक लेने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बार-बार प्रश्नों का अभ्यास कराया जाए, नियमित टेस्ट सीरीज उपलब्ध कराई जाए, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं में उनका प्रदर्शन बेहतर हो सके।

सैनिटरी पैड प्रदाय करने के दिए निर्देश-कलेक्टर अजीत वसंत ने 15वें वित्त की स्वच्छता मद से जिले के सभी हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं को सेनेटरी पैड प्रदाय कराने एवं बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा है।

अतिथि व्याख्याताओं की होगी व्यवस्था-कलेक्टर ने हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में डीएमएफ मद से 26 अतिथि व्याख्याताओं की स्वीकृति दी है, उन्होंने भर्ती प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। कलेक्टर ने शाला विकास समिति के माध्यम से अतिथि व्याख्याताओं की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने को कहा।

इन बच्चों के प्रवेश एवं शिक्षा पर विशेष जोर

बैठक में कलेक्टर ने विशेष पिछड़ी जनजाति (पीवीटीजी) समुदाय के बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि आश्रम-छात्रावासों में अध्ययनरत ऐसे विद्यार्थियों की सूची तैयार की जाए, जो इस वर्ष कक्षा 5वीं, 8वीं, 7वीं एवं 11वीं में प्रवेश लेने वाले हैं। ऐसे सभी बच्चों का अगली कक्षाओं में प्राथमिकता के साथ प्रवेश सुनिश्चित किया जाए तथा उनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। यदि कोई बच्चा विद्यालय छोड़ने की स्थिति में है तो उसके अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि पीवीटीजी समुदायों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम शिक्षा है, इसलिए इस दिशा में विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने आंगनबाड़ी से कक्षा पहली में प्रवेश लेने वाले बच्चों की सूची संबंधित एसडीएम एवं तहसीलदार को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

आधारभूत सुविधाएं समय पर हो पूर्ण-कलेक्टर ने विद्यालय परिसरों की साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, फर्नीचर तथा आवश्यक मरम्मत कार्य समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिन हायर सेकेंडरी विद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित हैं तथा अतिरिक्त कक्ष की आवश्यकता है, वहां अतिरिक्त कक्ष निर्माण की कार्रवाई करने कहा। उन्होंने बताया कि, वीबी जी राम जी योजना के तहत 300 विद्यालयों में बालिकाओं के लिए पृथक शौचालय एवं नगरीय क्षेत्रों में डीएमएफ मद से बालिकाओं के लिए शौचालय निर्माण की स्वीकृति दी जा रही है।

साइकिल वितरण से पहले गुणवत्ता देखें-कलेक्टर ने निःशुल्क साइकिल वितरण योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को साइकिल वितरित करने से पहले उसकी गुणवत्ता का परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध हो सके।

सेवानिवृत्ति के दिन ही दें सभी दस्तावेज-कलेक्टर ने निर्देश दिया कि जिन कर्मचारियों की सेवा अवधि पूर्ण हो रही है, उन्हें सेवानिवृत्ति के दिन ही पीपीओ, जीपीओ प्राधिकार पत्र सहित सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रत्येक माह आयोजित समय-सीमा की पहली बैठक में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की अद्यतन जानकारी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए।

हर घर तिरंगा' अभियान की केंद्रीय समिति में अनुराग सिंह देव शामिल

छ.ग.फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आगामी 'हर घर तिरंगा' एवं 'तिरंगा यात्रा' अभियान के सफल संचालन, समन्वय एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित केंद्रीय समिति में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उनके साथ महासमुंद सांसद एवं भाजपा प्रदेश

उपाध्यक्ष श्रीमती रूपकुमारी चौधरी को भी समिति में स्थान मिला है। अनुराग सिंह देव का केंद्रीय समिति में चयन निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ की सक्रिय भागीदारी को और सशक्त बनाएगा तथा अभियान को नई ऊर्जा और प्रभावशीलता प्रदान करेगा। यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है तथा प्रदेश में संगठनात्मक नेतृत्व और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित कार्यशैली का सम्मान है। केंद्रीय समिति का संयोजन भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह के नेतृत्व में किया जाएगा, जिसमें कई वरिष्ठ राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि शामिल हैं। 11 अगस्त से 15 अगस्त 2026 तक देशभर में आयोजित होने वाले 'हर घर तिरंगा' एवं 'तिरंगा यात्रा' अभियान के अंतर्गत घर-घर तिरंगा फहराने, तिरंगा यात्राएं निकालने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

महामाया पहाड़ में मिला मानव कंकाल, पुलिस जांच में जुटी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शनिवार की सुबह महामाया पहाड़ पर बीट गार्ड ने ओरिएंटल पब्लिक स्कूल के आगे महामाया पहाड़ के ऊपर सड़ा-गला शव पेड़ में लटके देखा, और कोतवाली थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। शव से काफी दुर्गंध आ रही थी। इसकी खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। शव का धड़ का हिस्सा गलकर नीचे गिर गया है, जिससे शव काफी पुराना होने की संभावना बनी हुई है। शव किसी युवती का होना सामने आया है, लेकिन इसकी पहचान नहीं हो पाई है।

कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि बीट गार्ड की सूचना पर पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंचकर जांच कार्रवाई की है। मामला हत्या का है, या आत्महत्या का यह फिलहाल अस्पष्ट है। पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच के बाद ही इसका कारण स्पष्ट हो पाएगा। शव काफी गल गया है, और उससे काफी बदबू उठ रही है। कोतवाली सहित गांधीनगर, मणीपुर थाना पुलिस के द्वारा दर्ज गुमशुदगी के मामलों को भी खंगाला जा रहा है। पूरी तरह गल चुके शव को फिलहाल मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच के साथ शव के शिनाख्ती पर जोर दे रही है।

विपक्ष का मकसद समाधान नहीं, देश में भ्रम और अराजकता फैलाना

भाजपा जिला अध्यक्ष का तीखा हमला, कहा- विपक्ष का' भारत विरोधी एजेंडा बेनकाब हुआ

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भाजपा सरगुजा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने नीट पेपर लीक मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई ऐतिहासिक एवं कड़े कदमों की घोषणा तथा अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक द्वारा अनशन समाप्त करने के बाद कांग्रेस सहित 'इण्डी गठबंधन' के घटक दलों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि, इन घटनाक्रमों ने विपक्ष के असली राजनीतिक चरित्र और उनके भारत विरोधी एजेंडे की पूरी तरह से पोल खोल दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए त्वरित और अभूतपूर्व कदम उठाने की घोषणा की है। उनके नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा न केवल त्वरित सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट गठन के निर्देश दिए हैं, बल्कि दोषियों को 5 से 10 साल की कड़ी सजा, कठोर जमानत शर्तों और दोषी पाए जाने पर संबंधित कोचिंग संस्थानों को बंद करने जैसे कठोर प्रावधानों वाले कानून का मसौदा तैयार

करवाया जा रहा है। सरकार की इस त्वरित संवेदनशीलता और पारदर्शी नीयत के बाद केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में सोनम वांगचुक ने भी सरकार के सकारात्मक रुख पर भरोसा जताते हुए अपना अनशन समाप्त किया। उन्होंने कहा यह पूरी घटना यह दर्शाती है कि मोदी सरकार देश के छात्रों और युवाओं के हित में चट्टान की तरह खड़ी है। दूसरी ओर कांग्रेस और उनके सहयोगियों का एकमात्र एजेंडा छात्रों के कंधे पर बन्दूक रखकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकना और देश में असंतोष की आग भड़काना था। भारत सिंह सिसोदिया ने कहा है कि, विपक्ष को कभी भी छात्रों के भविष्य या न्याय से कोई लेना-देना नहीं था। वे केवल देश में अराजकता का माहौल बनाना चाहते थे। जब सरकार ने समस्या के जड़ से समाधान के लिए कड़ा कानून बनाने की दिशा में काम किया, तो इण्डी गठबंधन का चेहरा पूरी तरह बेनकाब हो गया। उन्होंने कहा कि देश के युवा समझदार हैं और वे देख सकते हैं कि कौन उनके भविष्य के लिए काम कर रहा है और कौन उनके नाम पर राजनीति कर रहा है? भाजपा सरकार देश के हर होनहार छात्र के हक की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है, और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत के बाद हितग्राही को मिला गैस कनेक्शन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में दर्ज शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज शिकायत का जांच उपरांत सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। जिले के मैनपाट विकासखंड अंतर्गत ग्राम नर्मदापुर निवासी जगेश्वरी यादव ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन प्राप्त नहीं होने संबंधी शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारी द्वारा नैतिक भारत गैस ग्रामीण वितरक, विजलहवा पहुंचकर शिकायत की विस्तृत जांच की गई। इस दौरान मौके पर पंचनामा तैयार किया गया तथा संबंधित व्यक्तियों के कथन दर्ज किए गए। जांच के समय शिकायतकर्ता जगेश्वरी यादव उपस्थित नहीं थीं, उनके पति दयाशंकर यादव का कथन दर्ज किया गया। उन्होंने अपनी पत्नी के नाम से जारी आधार कार्ड प्रस्तुत किया। आधार कार्ड का संबंधित गैस एजेंसी के विभागीय सर्वर में परीक्षण किए जाने पर यह पाया गया कि कंज्यूमर क्रमांक के अंतर्गत प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का गैस कनेक्शन पूर्व में ही जारी किया जा चुका था। जांच उपरांत आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए मौके पर ही शिकायतकर्ता के पति को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया गया, जिससे शिकायत का तत्काल एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित हुआ।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा उपरांत कांग्रेस ने निकाली विजय रैली

पूर्व कैबिनेट मंत्री ने कहा-अगर पहले निर्णय ले लेते तो इज्जत बच जाती

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के उपरांत सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा शनिवार को राजीव भवन से संगम चौक तक रैली निकाल आतिशबाजी करते हुए इस्तीफे के जश्न मनाया। मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस सहित पूरे देश में छात्र आंदोलनरत थे। सरकार के अडिग रहने के कारण कांग्रेस ने आज पूरे देश के जिला मुख्यालय में मशाल रैली निकालने का निर्णय लिया था। हालांकि उसके पूर्व ही मांग पूर्ण होने पर कांग्रेस ने इसे विजय रैली का स्वरूप दे दिया। रैली उपरांत पूर्व केबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि अनगिनत पेपर लीक के कारण छात्रों की आत्महत्या होने से पूरे देश में छात्रों, उनके अभिभावकों और सामान्य नागरिकों में रोष था। नतीजा इस आंदोलन के रूप में उभरा, जिसका बर्बरतापूर्ण तरीके से मोदी सरकार ने दमन का प्रयास किया। सरकार अगर इस्तीफे पर पहले निर्णय ले लेती तो इज्जत बच जाती। कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव ने कहा कि नीट पेपर लीक के उपरांत पेपर लीक, शिक्षा, रोजगार जैसे विषयों को लेकर हमारे सर्वोच्च नेता राहुल गांधी और कांग्रेस ने छात्र आंदोलन की नींव रखी, आज उस आंदोलन में एक प्रतीकात्मक विजय प्राप्त हुई है, लेकिन सुधार के रास्ते में लंबा रास्ता बाकी है।

निगम में नेता प्रतिपक्ष शफ़ी अहमद ने कहा कि

देश में छात्रों ने अपनी एकजुटता से एक ऐतिहासिक आंदोलन किया जिसका नतीजा, सरकार को झुकना पड़ा है। पेपर लीक में अपनी जान गंवाने वाले छात्रों को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने छात्र एकता और उसकी सफलता को सलाम किया। प्रदेश कांग्रेस महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा से हमें यह नहीं मान लेना चाहिए कि यह सरकार शिक्षा और रोजगार को लेकर गंभीर होगी। यह एक छोटा कदम है, कांग्रेस युवाओं के हित में लड़ाई जारी रखेगी। पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा कि सरकार के इस कदम से युवाओं का शिक्षा व्यवस्था में विश्वास कायम होगा, ऐसा होता नहीं दिखाई देता। इस सरकार ने दबाव में यह कदम उठाया है। इस सरकार से ज्यादा उम्मीद नहीं है। विजय रैली के दौरान कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष एवं ब्लॉक कार्यकारणी के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा संगठन के प्रमुख और उनके पदाधिकारी मौजूद थे।

कृषक उन्नति योजना से मिली उड़ान, बोनस राशि से खरीदा ट्रैक्टर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन की कृषक उन्नति योजना किसानों के लिए आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। योजना के तहत धान विक्रय करने वाले किसानों को दी जा रही धान की प्रोत्साहन राशि न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही है, बल्कि आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग को भी बढ़ावा दे रही है। जिससे किसान आत्मनिर्भर और

सशक्त बन रहे हैं। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम चकेरी के किसान रामसाय करीब 3.5 एकड़ कृषि भूमि पर खेती करते हैं, इस वर्ष अपनी उपज का 69 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर सहकारी समिति में विक्रय किया। धान विक्रय के बाद उन्हें कृषक उन्नति योजना के तहत लगभग 50 हजार की बोनस राशि प्राप्त हुई। इस राशि में अपनी ओर से कुछ धनराशि जोड़कर उन्होंने ट्रैक्टर खरीदा, जिससे उनकी खेती को नई गति मिली है। रामसाय बताते हैं कि पहले खेती के अधिकांश कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे समय और लागत दोनों अधिक लगते थे।

नारियल पर उकेरी कल्पना, रंगों से सजा सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय

नारियल सज्जा प्रतियोगिता में दिखा रचनात्मकता और सांस्कृतिक चेतना का संगम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय, सुभाषनगर में रचनात्मकता और सांस्कृतिक चेतना का संगम उस समय देखने को मिला जब बी.एड. द्वितीय वर्ष के

प्रशिक्षणार्थियों के लिए 'नारियल सज्जा प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या एवं समस्त प्राध्यापकों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन करके किया। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने कहा कि 'शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां ही विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नवाचार और व्यक्तित्व विकास की नींव रखती हैं। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

पांच निकेतनों ने मचाई धूम

प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 5 निकेतनों, दिनकर, दिवाकर, भास्कर, प्रभाकर और भानू निकेतन के प्रशिक्षणार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने एक साधारण नारियल को अपनी कला से अद्भुत बना दिया। कहीं पारंपरिक भारतीय संस्कृति की झलक थी, तो कहीं पर्यावरण संरक्षण, नारी सशक्तिकरण, स्वच्छता और आध्यात्मिकता जैसे सम-सामयिक विषयों को रंगों और सामग्री से उकेरा गया। रंग-बिरंगे वस्त्र, मोती, जूट, रिबन, प्राकृतिक सामग्री और सजावटी वस्तुओं का सुंदर समन्वय निर्णायक मंडल और दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

मूल्यांकन का यह रहा आधार

निर्णायक मंडल ने प्रस्तुतियों का मूल्यांकन रचनात्मकता, मौलिकता, कलात्मक अभिव्यक्ति, विषयवस्तु, स्वच्छता एवं समग्र प्रस्तुतीकरण के आधार पर किया। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर सम्मानित किया गया। अन्य सभी प्रतिभागियों को भी उनके प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस दौरान परिसर उत्साह, उमंग और रचनात्मक ऊर्जा से भरा रहा। प्रतियोगिता ने प्रशिक्षणार्थियों में सहयोग, सौहार्द्र, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी मजबूत किया।

साला के लिए तम्बाकू लेने निकला, फिर लौट कर नहीं आया घर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जन्मदिन में शामिल होने आए साला ने जाते वक्त तम्बाकू खाने की इच्छा जाहिर की और जीजा देर रात तम्बाकू लेने के लिए घर से निकल गया, इसके बाद वापस नहीं लौटा। खोजबीन के दौरान सरपंच के माध्यम से गांव में एक्सीडेंट में एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना मिली, और फोटो देखकर वह अपने जीजा को पहचाना। घायल को प्रतापपुर स्वास्थ्य केन्द्र से मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर भेजा गया था। यहां आने पर घायल के मौत की सूचना मिली। जानकारी के मुताबिक सूरजपुर जिला के प्रतापपुर थाना अंतर्गत ग्राम बैकोना निवासी बाबूलाल पिता सूबेदार पनिका 39 वर्ष के यहां 23 जुलाई को बच्चे का जन्मदिन था, इसमें शामिल होने के लिए गांव में रहने वाला उसका साला बबलू अपनी पत्नी के साथ आया था। देर रात एक बजे साला अपनी पत्नी के साथ घर जाने निकला तो वह तम्बाकू खाने की इच्छा जाहिर किया। इसके बाद बाबूलाल गांव में तम्बाकू लेने के लिए निकला। 1.30 बजे तक वापस नहीं लौटने पर बबलू अपने जीजा के आने का इंतजार किए बिना निकल लिया। 24 जुलाई को सुबह वह पुनः अपनी बहन के यहां आया तो पता चला कि जीजा रात में घर नहीं लौटे हैं। गांव के लोगों से चर्चा के दौरान बैकोना चौक में रात में किसी का एक्सीडेंट होने का पता चला। इसके बाद वह अपनी पत्नी का इलाज कराने के लिए प्रतापपुर स्वास्थ्य केन्द्र गया, यहां गांव में हुए एक्सीडेंट में घायल के बारे में पूछताछ करने पर इतना ही ज्ञात हुआ कि अज्ञात घायल को प्राथमिक उपचार के बाद एम्बुलेंस से जिला अस्पताल अंबिकापुर भेजा गया है। घायल कौन है, उसका नाम क्या है, यह स्पष्ट नहीं हुआ।

सरपंच ने दिखाया फोटो तो पहचाना घायल को

अस्पताल से लौटते वक्त बबलू की गांव के लोगों के साथ मौजूद सरपंच से मुलाकात हुई और वह अपने जीजा बाबूलाल के रात से घर में नहीं आने के बारे में बताया। सरपंच ने बैकोना चौक में हुए एक्सीडेंट में घायल का फोटो दिखाया, जो उसके जीजा का था। इसकी जानकारी वह अपनी बहन सहित अन्य संबंधियों को देने के बाद मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर पहुंचा, तो यहां इलाज के दौरान मौत की जानकारी मिली। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर